सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

धर्म को पहले स्वयं जीवन पेज: 7

'तु बाड यूनिवर्स में हुई आलिया भट्ट की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 53 | सोमवार 25 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

फाल्टा विधानसभा सीट पर भाजपा का भगवा लहराया, देबांगशु पांडा ने रिकॉर्ड मतों से जीत की दर्ज

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में हुए पुनर्मतदान की मतगणना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार देबांगशु पांडा 1,09,021 वोट के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की। इसे लेकर बीजेपी समर्थकों में खुशी की लहर दोड़ पड़ी है। आप को बात दें कि पश्चिम बंगाल के फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुर्नमतदान से पहले मंगलवार को एक नाटकीय मोड़ के तहत जहांगीर खान ने चुनाव मैदान से पीछे हटने की घोषणा कर दी थी। तृणमूल कांग्रेस द्वारा कभी अजेय "डायमंड हार्बर मॉडल" के रूप में पेश की गई छवि रविवार को धूमिल होती दिखाई दी, जब भाजपा फाल्टा पुनर्मतदान में तेजी से बढ़त बनाती नजर आई। खान फाल्टा में प्रचार अभियान के दौरान सबसे चर्चित चेहरों में एक थे। उन्होंने फिल्म 'पुष्पा' के मुख्य किरदार के इर्द-गिर्द अपनी छवि गढ़ने की कोशिश की थी

जयशंकर का अमेरिका को दो टूक, आतंकवाद पर शून्य सहिष्णुता, वैध यात्रियों के वीजा में न हो देरी

वैध भारतीय यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने

अमेरिकी विदेश मंत्री के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में एस. जयशंकर ने आतंकवाद पर भारत के 'जीरो टॉलरेंस' रुख को मजबूती से दोहराया और वैध भारतीय यात्रियों के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मिडिल ईस्ट के देशों के साथ भारत के रिश्तों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, "भारत दुनिया के उन बहुत कम देशों में से एक है जिसके अमेरिका, इजरायल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ एक साथ बहुत अच्छे और मजबूत संबंध हैं। इसलिए, उस इलाके में हमारा सीधा हित जुड़ा हुआ है।" उन्होंने कहा कि भारत के सामने चुनौती यह है कि इन सभी रिश्तों को एक साथ कैसे बनाए रखा जाए और अपने हितों की रक्षा कैसे की जाए। भारत इसे किसी ऐसे खेल की तरह नहीं देखता जिसमें एक का फायदा कराने के लिए दूसरे का नुकसान करना पड़े। इन चार सिद्धांतों पर काम करता है भारत विदेश मंत्री ने अपने बयान में उन मुख्य बातों का जिक्र किया जिनके आधार पर भारत इस क्षेत्र में अपना नजरिया तय करता है। विदेश मंत्री ने बताया, 'भारत इस पूरे इलाके में हमेशा शांति और स्थिरता देखना चाहता है। खाड़ी देशों में रहने वाले लाखों भारतीय नागरिकों की भलाई और सुरक्षा भारत के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा, 'भारत अपनी जरूरत का तेल और गैस बहुत बड़ी मात्रा में इसी इलाके से खरीदता है, इसलिए भारत चाहता है कि ऊर्जा की कीमतें कम और नियंत्रण में रहें। भारत इस इलाके से होने वाले समुद्री व्यापार को पूरी तरह सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के चलते हुए देखना चाहता है। भारत चाहता है कि वहाँ के बाजार सबके लिए खुलें और व्यापार पर कोई पाबंदी न हो।' क्या है भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' पॉलिसी? डॉ. जयशंकर ने यूक्रेन संकट का उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया में जहाँ भी ऐसी मुश्किल स्थिति होगी, वहां भारत एक अहम भूमिका निभाएगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि आज के भारत के हित लगातार बढ़ रहे हैं और विवाद में शामिल सभी पक्षों के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। रूस, यूरोप, यूक्रेन और अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते मजबूत हैं। उन्होंने साफ किया कि इसे ही 'मल्टी-अलाइनमेंट' कहते हैं, क्योंकि आज भारत के हितों का दायरा इतना बड़ा हो चुका है कि हमें एक साथ कई अलग-अलग रिश्तों को संभालना पड़ता है। वैध यात्रियों के लिए उठाया वीजा का मुद्दा दोनों देशों के लोगों के आपसी संबंधों को इस रिश्ते की असली ताकत बताते हुए डॉ. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री के सामने वीजा से जुड़ी मुश्किलें भी उठाईं। उन्होंने कहा, "मैंने सेक्रेटरी रूबियो को उन दिक्कतों के बारे में बताया जो वैध यात्रियों को वीजा मिलने में आ रही हैं। हम अवैध और गलत तरीके से होने वाली आवाजाही को रोकने के लिए अमेरिका का पूरा सहयोग करते हैं, लेकिन हमारी यह उम्मीद भी है कि इसकी वजह से सही तरीके से यात्रा करने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो। आखिरकार, यह हमारे व्यापार, टेक्नोलॉजी और रिसर्च के लिए बहुत जरूरी है।" आतंकवाद पर 'जीरो-टॉलरेंस' का रुख प्रेस कॉन्फ्रेंस के आखिर में विदेश मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के सख्त रुख को एक बार फिर साफ किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को लेकर भारत का नजरिया 'जीरो-टॉलरेंस' का है, यानी इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने इस मामले में भारत और अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियों के बीच चल रहे मजबूत सहयोग की तारीफ की।

'भारत बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर, कोई नहीं रोक सकता', रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान

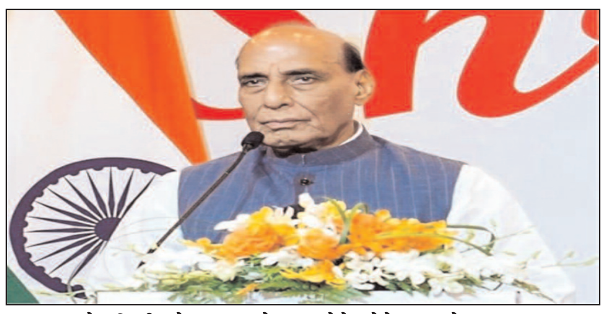

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के रक्षा क्षेत्र (डिफेंस सेक्टर) को लेकर एक बहुत बड़ा और जोश भरा बयान दिया है। शनिवार को महाराष्ट्र के शिरडी में एक गोला-बारूद निर्माण इकाई का उद्घाटन करने पहुंचे रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले 25 से 30 सालों में भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक (निर्यातक) देश बनेगा और भारत को ऐसा करने से दुनिया की कोई भी ताकत नहीं रोक सकती। प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी 50% करने का लक्ष्य समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने देश की बदलती तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि भारत, जिसे पहले केवल हथियारों का आयात करने वाला देश माना जाता था, अब अपनी पहचान बदल रहा है। सरकार का लक्ष्य अब रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक ले जाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और प्राइवेट सेक्टर का इनोवेशन एक साथ मिलते हैं, तो देश नई ऊंचाइयों को छूता है। अब 'नट-बोल्ट' नहीं, अत्याधुनिक हथियार बना रहा निजी क्षेत्र निजी कंपनियों की प्रशंसा करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अब यह सेक्टर सिर्फ छोटे-मोटे नट-बोल्ट का सप्लायर बनकर नहीं रह गया है। आज भारत का प्राइवेट सेक्टर अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निमार्ता बन चुका है। उन्होंने आह्वान किया कि भारत को गोला-बारूद और ऑटोमेशन का ग्लोबल हब बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। भविष्य के युद्ध होंगे 'मल्टी-सेक्टरल': सीडीएस अनिल चौहान इसी कार्यक्रम में मौजूद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने भविष्य की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में युद्ध केवल जमीन, समुद्र या हवा तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ये मल्टी-सेक्टरल होंगे। भविष्य की लड़ाइयां साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी। एआई और रोबोटिक्स तय करेंगे हार-जीत सीडीएस ने आधुनिक युद्ध कला में बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि अब लड़ाइयां सिर्फ इंसानी ताकत या पारंपरिक हथियारों के भरोसे नहीं जीती जा सकतीं। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ड्रोन, रोबोटिक्स, स्पेस टेक्नोलॉजी और सटीक मारक क्षमता वाले हथियार ही युद्ध के परिणाम तय करेंगे।

नीट परीक्षा पर अरविंद केजरीवाल की हाथ जोड़कर अपील, सभी सीएम छात्रों के लिए बसें मुक्त करें

नई दिल्ली एजेंसी: अरविंद केजरीवाल ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों से एक खास अपील की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों समेत अन्य सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्यों में नीट की परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए सरकारी बस सेवा को पूरी तरह मुफ्त कर दें। पंजाब के बाद इन राज्यों ने भी किया ऐलान इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि नीट देने वाले छात्रों को बस किराए में पूरी राहत दी जाएगी। केजरीवाल और भगवंत मान ने एक वीडियो शेयर कर यह जानकारी दी थी। पंजाब सरकार के इस फैसले के बाद अब हरियाणा और बिहार के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने राज्यों में छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा का ऐलान कर दिया है। आप सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर करीब एक मिनट का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा, "सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी प्रार्थना है कि कृपया 21 जून को नीट की दोबारा परीक्षा देने वाले सभी छात्रों के लिए बस यात्रा पूरी तरह मुफ्त कर दें।" केजरीवाल ने बिहार और हरियाणा सरकार की तारीफ की केजरीवाल ने वीडियो में आगे कहा, "मुझे यह देखकर बेहद खुशी हुई कि बिहार और हरियाणा ने इस मामले में पंजाब सरकार की राह अपनाई है। मुझे उम्मीद है कि बाकी राज्यों के मुख्यमंत्री भी ऐसा ही कदम उठाएंगे।" बता दें कि नीट परीक्षा को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा कि परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्रों की सुविधा के लिए बिहार की सभी सरकारी बसों में सफर पूरी तरह मुफ्त रहेगा। एनजीओ और सामाजिक संस्थाओं से मदद की मांग बिहार के मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन, राज्य के सभी मठ-मंदिरों और गैर-सरकारी संगठनों से भी एक खास अपील की है।

उन्होंने कहा है कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य मुख्य जगहों पर परीक्षा देने वाले छात्रों और उनके माता-पिता के लिए पीने के पानी और सत्तू आदि के खाने-पीने की व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने सभी छात्रों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

असम में बकरीद से पहले मस्जिद कमेटियों का बड़ा फैसला, गाय की कुबार्नी पर लगाई रोक, सीएम शर्मा ने की तारीफ

असम एजेंसी: असम के कई जिलों में मस्जिद समितियों ने एक बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की है कि आगामी 28 मई को आने वाली बकरीद पर गाय की कुबार्नी नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस कदम की सराहना करते हुए इसे एक स्वैच्छिक निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला बहुसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करता है। पूर्व विधायक की गिरफ्तारी के बीच फैसला मस्जिद समितियों की यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब शनिवार को धुबरी के पूर्व विधायक अली अकबर मियां को गिरफ्तार किया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट शेयर की थी, जिसमें अधिकारियों को कुबार्नी में दखल न देने की चेतावनी दी गई थी और ऐसा करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की बात कही गई थी। इसके साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणी की थी। मुख्यमंत्री ने की फैसले की सराहना मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गोकशी के खिलाफ मस्जिदों द्वारा की गई इस अपील की खुलकर तारीफ की। उन्होंने इसके कानूनी और धार्मिक पहलुओं को समझाते हुए कहा कि ऐसे कदम समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को और मजबूत करेंगे। सीएम सरमा ने सोशल मीडिया पर इस फैसले से जुड़ी खबरों की कतरनें साझा करते हुए लिखा, "मैं इस प्रयास का स्वागत करता हूं। मुझे उम्मीद है कि अन्य समितियां भी इसी तरह की अपील जारी करेंगी।" असम मवेशी संरक्षण अधिनियम का संदर्भ मस्जिद समितियों की ओर से यह अपील असम मवेशी संरक्षण अधिनियम, 2021 के लागू नियमों के बीच आई है। यह कानून राज्य में बीफ के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध तो नहीं लगाता, लेकिन मवेशियों के वध और उनके व्यापार पर कुछ सीमाएं जरूर तय करता है। इस अधिनियम के तहत मवेशियों की कुबार्नी के लिए पहले से अनुमति लेने और उनके अवैध परिवहन को रोकने के लिए बेहद कड़े नियम बनाए गए हैं।

झारखंड में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, सरकार ने 36 आईएएस अधिकारियों का किया स्थानांतरण

झारखंड एजेंसी: झारखंड सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 36 अधिकारियों का तबादला किया, नियुक्तियां कीं और अतिरिक्त प्रभार सौंपे। यह जानकारी एक आधिकारिक अधिसूचना में दी गई। अधिसूचना के अनुसार, तीन जिलों में नए उपायुक्त (डीसी) नियुक्त किए गए हैं, जबकि पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे 12 आईएएस अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। 2014 बैच के आईएएस अधिकारी पशुपतिनाथ मिश्रा को गढ़वा का नया उपायुक्त नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह गढ़वा में उप विकास आयुक्त का पदभार संभाल रहे थे। 2019 बैच के आईएएस अधिकारी जावेद हुसैन को खूंटी का उपायुक्त बनाया गया है, जबकि वर्तमान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया को देवघर का उपायुक्त नियुक्त किया गया। अधिसूचना में कहा गया है कि छवि रंजन को खेल एवं युवा मामलों के विभाग का निदेशक बनाया गया है, जबकि जीशान कमर को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। 2013 बैच के आईएएस अधिकारी सुनील कुमार सिंह को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। भोर सिंह यादव को कृषि विभाग से हटाकर वन एवं पर्यावरण विभाग में अपर सचिव नियुक्त किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, 2015 बैच की अधिकारी अनन्या मित्तल को झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति (जेएसएलपीएस) का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। इससे पहले वह गढ़वा के उपायुक्त का पदभार संभाल रही थी। इसके अनुसार, नमन प्रियेश लकड़ा को पर्यटन निदेशक नियुक्त किया गया

कॉकरोच जनता पार्टी की वेबसाइट बंद होने का दावा, अभिजीत दीपके बोले- घर के बाहर तैनात पुलिस...यह तानाशाही है

नई दिल्ली एजेंसी: सीजेआई सूर्यकांत की युवाओं को लेकर टिप्पणी के बाद इंटरनेट पर तहलका मचाने वाली 'कॉकरोच जनता पार्टी' की आधिकारिक वेबसाइट को भी बंद कर दिया गया है। इसके एक्स हैंडल को भारत में पहले ही बैन कर दिया गया था। वहीं पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया था कि उनके निजी इंस्टाग्राम को भी हैक कर लिया गया है। दीपके ने कहा कि पार्टी की वेबसाइट को बंद कर दिया गया है और यह तानाशाही है। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट के माध्यम से 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। दीपके का दाव, जान से मारने की मिल रहीं है धमकियां कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इसे डिजिटल संगठन के खिलाफ कार्रवाई किये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई अकाउंट हटाए जाने और हैकिंग की घटनाओं के बाद अब संगठन की किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच नहीं रह गई है। दीपके ने 'एक्स' पर दावा किया कि उनका खुद का इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक कर लिया गया है। इससे दो दिन पहले भारत में सीजेपी के 'एक्स' अकाउंट पर रोक लगा दी गई थी, जिसके बाद दीपके ने नया अकाउंट बनाया था। संगठन ने शिक्षा क्षेत्र में कथित नाकामियों और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा मांगते हुए शुक्रवार को एक अभियान शुरू किया था। बाद में दीपके ने दावा किया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने धमकी भरे संदेशों के 'स्क्रीनशॉट' भी साझा किए। इंस्टाग्राम पेज हैक किया गया शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में दीपके ने कहा, "कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ कार्रवाई। इंस्टाग्राम पेज हैक किया गया। मेरा व्यक्तिगत इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक किया गया। ट्विटर अकाउंट पर रोक लगाई गई। बैक अप अकाउंट पर भी रोक लगा दी गई।" उन्होंने लिखा, "आपको सूचित करना चाहता हूं कि फिलहाल हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे।

उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस को बताया जोंक, टीवीके सरकार के जल्द गिरने की भविष्यवाणी भी की

तमिलनाडु में कांग्रेस द्वारा टीवीके सरकार को समर्थन देने के बाद डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में दरार आ गई है, जहां उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर धोखा देने का आरोप लगाया है, वहीं एमके स्टालिन ने अभिनेता विजय की सरकार के जल्द गिरने का दावा किया है।

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु में डीएमके नेता और युवा विंग के सचिव उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। यह विवाद तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन दे दिया। उदयनिधि ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके को कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके कार्यकताओं की मेहनत और एमके स्टालिन के नेतृत्व की वजह से सीटें जीतने के बावजूद, कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है। उदयनिधि ने कहा, हमें बिना बताए ही भाग गए उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा, "कांग्रेस के पांच विधायकों की जीत डीएमके कार्यकताओं की वजह से हुई थी। जनता ने उन्हें इसलिए वोट दिया क्योंकि वे एमके स्टालिन को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। लेकिन आज कुछ पदों के लालच में वे हमें बिना बताए ही भाग गए। हमें कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। तमिलनाडु की जनता बहुत जल्द उन्हें एक करारा सबक सिखाएगी।" उदयनिधि का आरोप, कांग्रेस की वजह से देश में बीजेपी बढ़ी उन्होंने पूरे देश में भाजपा के आगे बढ़ने के लिए भी कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया। उदयनिधि स्टालिन ने कहा, "पहले मुझे लगता था कि देश में बीजेपी की जीत की वजह प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह हैं। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि भारत में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं। हमारे नेता एमके स्टालिन ने पिछले चुनावों में कांग्रेस को अपने कंधों पर उठाया था, लेकिन उन्होंने हमारे साथ धोखा किया।" डीएमके ने कांग्रेस को बताया 'जोंक' यह बयान डीएमके और कांग्रेस के बीच लगातार बढ़ रही कड़वाहट को दिखाता है। डीएमके की बैठक के दौरान कुछ प्रस्ताव भी पास किए गए, जिनमें कांग्रेस को पीठ में छुरा घोंपने वाला और सहयोगियों की मेहनत पर पलने वाला जोंक कहा गया। इसके साथ ही, उदयनिधि ने अपनी पार्टी के युवा कार्यकताओं से अपील की कि वे नए और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच जाकर उन्हें राजनीति के प्रति जागरूक करें। किसी भी दिन सरकार गिर जाने की भविष्यवाणी दूसरी तरफ, डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। स्टालिन ने कहा, "उनके पास कुल 120 विधायकों का ही समर्थन है। अपनी संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने एआईएडीएमके को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। उनकी हालत आज 'दीवार पर बैठी बिल्ली' जैसी है। यह सरकार किसी भी दिन गिर जाएगी।" अन्य सहयोगी दलों की भी आलोचना की एमके स्टालिन ने उन वामपंथी और अन्य क्षेत्रीय दलों (सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल) की भी आलोचना की, जो पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे लेकिन अब मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "जैसे बच्चे कुछ ही दिनों में नए खिलौनों से ऊब जाते हैं, वैसे ही तमिलनाडु के लोग भी इस अभिनेता (विजय) के शासन से बहुत जल्द ऊब जाएंगे। तब वे दोबारा हमारे पास वैसे ही लौटेंगे, जैसे बच्चे अपनी मां के पास लौटते हैं।"

संपादकीय

क्या भारत प्रमुख अर्थव्यवस्था है?

प्रख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं, लिहाजा उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा युद्धरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सहज है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक (भारत सरकार में सचिव पद के समकक्ष) रहे। आज भी ब्रिटेन, मॉस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12.10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुश्तैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं। यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिगुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच देशों के प्रवास से लौटे हैं। इस दौरान भारत के साथ 57 करार किए गए हैं। प्रधानमंत्री 50 से अधिक वैश्विक सीईओ से भी मिले। आज यूरोपीय संघ के केंद्र में भारतीय बाजार और अर्थव्यवस्था है। इसका सबसे बढिया उदाहरण है कि जनवरी, 2026 में भारत और यूरोपीय संघ में 'मुक्त व्यापार समझौता' किया गया। हस्ताक्षर भी किए गए। शीत युद्ध के कालखंड में ऐसा रुख नहीं था। पश्चिम के साथ भारत के अंतरंग, रणनीतिक, मधुर संबंध नहीं थे, क्योंकि हम तत्कालीन सोवियत संघ की रक्षा और आर्थिक नीतियों के अनुसार ही निर्णय लेते थे। आज भारत का निर्यात बाजार और यूरोप के साथ पूंजी, विकसित प्रौद्योगिकी, ग्रीन ऊर्जा, एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स, रक्षा, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, निवेश आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को 'धुरी' बना दिया है। यदि यूरोपीय देशों ने भारत के साथ इतने करार किए हैं, तो भारत आर्थिक रूप से सक्षम होगा और एक विशालतम बाजार होगा! आज फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे देश और नॉर्डिक देश भी भारत के साथ अंतरंग और गहरे रणनीतिक संबंध बना रहे हैं, तो यह भारत की चौतरफा ताकत है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

तपती धरती आग उगलता आसमान झुलसता जनजीवन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बांदा में अधिकतम तापमान 48.2त्ड तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि वर्धा में भी पारा 47.1त्ड के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा में गर्मी की स्थितिःबांदा (उत्तर प्रदेश) हाल ही में बांदा में तापमान 48त्ड के पार पहुंच गया, जिससे यह क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1त्ड तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकत्ती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्त्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत द्दष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल असुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण...

इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती...

दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती...

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरूआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं।

साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है।

साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्त्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें।

साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है।

साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित द्दष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ईद मिलन समारोह के दौरान किया गया भव्य कार्यक्रम

आगामी 31 मई को शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का किया जाएगा विधिवत शुभारंभ

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कस्बा ढक्का स्थित शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में रविवार को ईद मिलन समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद अमरोहा सहित आसपास के समाजसेवियों एवं गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता के महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संस्थापक चौधरी शान ने कहा कि समाज की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपने जीवन में सपने देखता है, लेकिन उन सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत, ईमानदारी और समर्पण की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि उनका वर्षों पुराना सपना था कि अपनी जन्मभूमि ढक्का एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों की ओर न जाना पड़े। चौधरी शान ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 31 मई को शान मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। विधवाओं एवं बुजुर्गों को इलाज में विशेष छूट प्रदान की जाएगी, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए निःशुल्क उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा था। इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से इस अस्पताल की स्थापना की गई है, ताकि लोगों को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। ईद मिलन समारोह के दौरान पत्रकारों को सम्मानित करते हुए चौधरी शान ने कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ हैं, जो निष्पक्षता के साथ समाज की समस्याओं को प्रशासन और जनता तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। कार्यक्रम में मीसम रजा, वसीम राजा, अलाउद्दीन सैफी, बिलाल बाकरी, मोहम्मद सिराज, चौधरी शाहनवाज, मोहम्मद आसिफ, इफ्तेखार हुसैन सैफी, डॉ. नूर मोहम्मद सहित जिले भर से पहुंचे सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आपसी भाईचारे एवं देश की खुशहाली की दुआओं के साथ किया गया।

तारापुर शक्ति केंद्र पर भाजपा की बैठक, बूथ सशक्तिकरण पर जोर

नौगांव सादात/अमरोहा (सब का सपना):- भाजपा संगठन के निर्देशानुसार रविवार को नौगांव सादात मंडल के तारापुर शक्ति केंद्र के गांव फरीदपुर इमा में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत शक्ति केंद्र प्रभारी वीरेंद्र सिंह सैनी, नामित सभासद नगर पंचायत नौगांव सादात व पूर्व जिला मंत्री भाजपा, ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर की। बैठक को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सिंह सैनी ने सभी बूथ अध्यक्षों को अपने-अपने बूथों की वोटर लिस्ट का अवलोकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी वोटर का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो बीएलओ से मिलकर उसका नाम जुड़वाएं और नए वोट बनवाने का कार्य भी करें। सैनी ने बताया कि आगामी 31 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बातह्व कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर बूथ कमेटी के साथ सुना जाए। कार्यक्रम की फोटो तत्काल सरल ऐप पर अपलोड करने के निर्देश भी सभी बूथ अध्यक्षों को दिए गए। इस अवसर पर शक्ति केंद्र संयोजक होश राम सिंह चौहान, वरिष्ठ कार्यकर्ता इकराम सैफी, शीशपाल सिंह, धर्म सिंह सैनी, रामकिशन, इंद्रपाल सिंह, भुवनेश चौहान, विवेक कुमार, शुभम कुमार, आशु, मोहम्मद इम्तियाज शेख, विनोद कुमार, रघुनाथ सिंह सहित सभी बूथ अध्यक्ष एवं बूथ कमेटी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

24 घंटे में पुलिस ने किया कताई मिल में हुई चोरी का खुलासा

नौगांवा सादात पुलिस ने 7 चोर दबोचे, चोरों के कब्जे से 15 लाख 20 हजार का चोरी किया गया सामान बरामद

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना नौगांवा सादात पुलिस ने बंद पड़ी कताई मिल में हुई चोरी का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 7 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लगभग 15 लाख 20 हजार रुपये कीमत का चोरी का सामान और घटना में प्रयुक्त दो वाहन बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नौगांव सादात अवधभान सिंह भदौरिया के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार की टीम ने यह कार्रवाई की है। आपको बता दे कि 23 मई को अभिषेक मिश्र, विधि/अनुपालन अधिकारी, उत्तर प्रदेश सहकारी कताई मिल्स संघ लिमिटेड, कानपुर, ने तहरीर दी थी कि सहकारी कताई मिल्स अमरोहा में अज्ञात चोरों ने चोरी की है। जिस पर थाना नौगांवा सादात में मु0अ0सं0 187/2026 धारा 305(') बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने 24 मई को 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनके पास से पुराने बिजली के मोटर, मशीनों के हिस्से-पुर्जे, भारी लोहे की प्लेटें, लोहे व एल्युमिनियम की पत्तियां, लोहे की रॉड, गरारी, पुरानी पुलियां, मशीनों के बेलन, शिकंजा, बिजली का सामान, सुझाव पेटिका, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, स्टार्टर के पुर्जे बरामद हुए। एक ई-रिक्शा में 2 प्लास्टिक बोरों में लोहा व एल्युमिनियम का कटिंग सामान भी मिला। घटना में प्रयुक्त एक थ्री-व्हीलर बजाज मैक्सिमा व एक ई-रिक्शा भी बरामद किया गया।बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा 317 (2)/ 317 (5)/ 61 (2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। इस दौरान पुलिस पूछताछ में मुख्य अभियुक्त रिहान उर्फ सोनू ने बताया कि कताई मिल काफी समय से बंद पड़ी थी। मिल की देखरेख धर्मेंद्र नाथ शुक्ला करता था। शुक्ला की बाग ठेकेदार कामरान और कबाड़ी का काम करने वाले शाहदत व सलमान से दोस्ती थी। शुक्ला ने तीनों से कहा कि मिल बिकने वाली है। अंदर मशीनों का लोहा, एल्युमिनियम व तांबे का सामान भरा है। धीरे-धीरे चोरी कर बेचो, आधा हिस्सा मुझे देना और आधा खुद रखना। इसके बाद छह लोगों ने रात में मिल में घुसकर मशीनों के हिस्से-पुर्जे व बिजली का सामान चोरी कर छिपा दिया। 24 मई को लगभग 30 कुंतल माल इकट्ठा होने पर थ्री-व्हीलर व ई-रिक्शा में लादकर बेचने जा रहे थे, तभी पुलिस ने पकड़ लिया। खबर लिखे तक सभी आरोपियों को न्यायालय अमरोहा में पेश किया जा रहा था।

धनौरा व बछरायूं में थाना समाधान दिवस का आयोजन,डीएम व एसपी ने सुनीं शिकायतें

मंडी धनौरा में 3 व बछरायूं में कुल 7 शिकायतें की गई दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना परिसर एवं बछरायूं थाना परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन कराया गया। जिसमें डीएम और एसपी ने थाना बछरायूं में पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं, वहीं थाना मंडी धनौरा परिसर में तहसीलदार मूसाराम थारू एवं थाना प्रभारी अमरपाल सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में फरियादियों की शिकायतों को सुना गया। इस दौरान भीषण गर्मी के चलते दोनों ही थाना परिसरों में कुल 10 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें तीन शिकायतें थाना मंडी धनौरा परिसर एवं सात शिकायतें थाना बछरायूं परिसर में दर्ज की गई। बता दें कि बछरायूं थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस विशेष रहा, क्योंकि जिलाधिकारी (डीएम) डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक (एसपी) लखन सिंह यादव का कार्यभार संभालने के बाद यह इस थाने में उनका पहला समाधान दिवस था। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे और क्षेत्राधिकारी (सीओ) अंजलि कटारिया के साथ बैठकर जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना।कड़ी धूप के बावजूद, फरियादियों ने राजस्व और पुलिस विभाग से संबंधित कुल 7 शिकायतें दर्ज कराईं। डीएम और एसपी ने मौके पर मौजूद थाना प्रभारी कुलदीप तोमर और राजस्व टीम को सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए वहीं दूसरी ओर मंडी धनौरा थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन तहसीलदार मूसा राम थारु और थाना प्रभारी (एसओ) अमरपाल सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में हुआ। यहां भी चिलचिलाती गर्मी के कारण फरियादियों की आमद काफी कम रही और पूरे समाधान दिवस में केवल 3 शिकायतें ही दर्ज की जा सकीं।तहसीलदार ने राजस्व से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर कानूनगो मनोज कुमार, लेखपाल रमेश सैनी सहित पुलिस और राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मामलों को अनावश्यक रूप से लटकाने वाले कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हसनपुर में भाकियू (अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट,डिप्टी सीएम को सौंपने जा रहे थे ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की हसनपुर पुलिस ने रविवार भारतीय किसान यूनियन अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी को हाउस अरेस्ट किया है क्योंकि राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी रविवार को अमरोहा दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री को अपने साथियों के साथ ज्ञापन सौंपने जा रहे थे। जिसकी सूचना जब पुलिस को लगी तो पुलिस ने उन्हें मौके पर पहुंचकर हाउस अरेस्ट कर लिया। बता दें कि अमरोहा दौरे पर निकले उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को ज्ञापन सौंपने जा रहे भारतीय किसान यूनियन (अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी को पुलिस ने हसनपुर में हाउस अरेस्ट कर लिया। भाटी स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और कालीखेड़ा मिल घोटाले से संबंधित ज्ञापन सौंपने वाले थे।संगठन द्वारा तैयार ज्ञापन में मुरादाबाद और अमरोहा के निजी अस्पतालों में व्याप्त गंभीर समस्याओं का उल्लेख किया गया है। इसमें डॉक्टरों द्वारा मनमानी परामर्श फीस वसूलने, जेनेरिक साल्ट के बजाय महंगी ब्रांडेड दवाएं लिखने और मरीजों को अस्पताल के अंदर स्थित मेडिकल स्टोर से ही दवा खरीदने के लिए मजबूर करने जैसे आरोप शामिल हैं।ज्ञापन में अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी का भी जिक्र है। आरोप है कि महज एक मंजिल की फायर एनओसी लेकर अवैध रूप से 3-4 मंजिलों पर अस्पताल संचालित हो रहे हैं। कई अस्पताल नियमों के विरुद्ध घने आवासीय क्षेत्रों में चल रहे हैं, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ रहा है।भाकियू नेता ने आरोप लगाया कि अस्पतालों में वरिष्ठ डॉक्टरों के नाम पर मान्यता ली जाती है, लेकिन वे मौके पर मौजूद नहीं रहते। गंभीर ऑपरेशनों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों से कराया जा रहा है, जो मरीजों के जीवन से सीधा खिलवाड़ है। इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए ऑपरेशन थिएटरों (OT) में 'पारदर्शी शीशा' (ग्लास विंडो) लगाना अनिवार्य करने की मांग की गई है, ताकि परिजन बाहर से देख सकें कि अधिकृत डॉक्टर ही ऑपरेशन कर रहा है।

योगी सरकार की सख्ती के आगे घुटने टेक गया सॉल्वर गैंग, लेखपाल भर्ती परीक्षा में एआई ट्रैकिंग से पकड़े गए फर्जी अभ्यर्थी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं को लेकर वर्षों तक सक्रिय रहे पेपर लीक और नकल माफियाओं के नेटवर्क पर योगी सरकार की सख्ती लगातार भारी पड़ रही है। इसका बड़ा उदाहरण विगत दिनों आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा-2025 में देखने को मिला, जहां सोशल मीडिया के जरिए पेपर लीक की अफवाह फैलाने की कोशिश हुई, लेकिन प्रशासन और आयोग की सतर्कता के आगे यह साजिश पूरी तरह नाकाम साबित हुई। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा आयोजित यह परीक्षा प्रदेश के 44 जिलों के 861 केंद्रों पर शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। कुल 3,66,712 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3,01,756 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। उपस्थिति प्रतिशत 82.29 रहा, जो अभ्यर्थियों के भरोसे को भी दर्शाता है। पेपर लीक का शोर, लेकिन हकीकत में निकली अफवाह परीक्षा शुरू होते ही लखनऊ के ऐशबाग स्थित गोपीनाथ लक्ष्मणदास रस्तोगी इंटर कॉलेज को लेकर कुछ लोगों ने पेपर लीक की अफवाह फैलाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, आयोग और निगरानी टीमों ने तत्काल जांच शुरू की। जांच में साफ हुआ कि प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट पूरी तरह सीलबंद और सुरक्षित थीं। दरअसल, एक कक्ष के कुछ अभ्यर्थी भ्रम की स्थिति में बाहर आ गए थे, जिसे कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर पेपर लीक का रंग देने की कोशिश की। अधिकारियों ने मौके पर स्थिति स्पष्ट की, जिसके बाद अभ्यर्थी वापस परीक्षा कक्ष में पहुंचे और परीक्षा शांतिपूर्वक जारी रही। योगी सरकार का हाईटेक एग्जाम मॉडल बना ढाल इस बार परीक्षा की निगरानी पूरी तरह तकनीक आधारित रही। आयोग मुख्यालय से लेकर सभी परीक्षा केंद्रों तक कंट्रोल कमांड रूम के जरिए लाइव मॉनिटरिंग की गई। पूरे प्रदेश में 18,883 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इसके अलावा 7,683 बायोमैट्रिक ऑपरेटर और 6,297 फ्रिस्किंग गार्ड तैनात किए गए थे। एआई आधारित पहचान प्रणाली के जरिए प्रतिरूपण और फर्जीवाड़े पर नजर रखी गई। यही कारण रहा कि बुलंदशहर में एक संदिग्ध अभ्यर्थी तुरंत पकड़ लिया गया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। नकल माफिया पर लगातार कड़ा प्रहार उत्तर प्रदेश में एक समय भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और सॉल्वर गैंग के कारण सवालों में रहती थीं, लेकिन योगी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह बदलने की दिशा में सख्त कदम उठाए हैं।

हाईटेक निगरानी, बायोमैट्रिक सत्यापन, एआई ट्रैकिंग और प्रशासनिक जवाबदेही ने नकल माफियाओं की कमर तोड़ दी है। लेखपाल मुख्य परीक्षा-2025 का शांतिपूर्ण आयोजन इस बात का संकेत है कि अब प्रदेश में भर्ती परीक्षाएं पारदर्शिता और सख्ती के नए मॉडल पर आगे बढ़ रही हैं।

बसपा मुखिया मायावती खुलकर खेल रहीं ब्राह्मण कार्ड, डेढ़ दशक बाद यूपी की सत्ता में वापसी का प्रयास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता हासिल करने को प्रयासरत बसपा अब खुलकर ब्राह्मण कार्ड खेलती नजर आ रही है। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मुखिया मायावती ने रविवार को अपनी सरकार में ब्राह्मणों को दी गई हिस्सेदारी याद कराई। मायावती ने बसपा कार्यकताओं को यह संदेश ऐसे समय दिया है, जब उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है और ब्राह्मण समाज के तबके में भाजपा सरकार को लेकर नाराजगी की बात उठ रही है। यानी बसपा ब्राह्मण समाज के साथ 2007 का सामाजिक औरराजनीतिक समीकरण तैयार करना चाहती है। यही नहीं, लंबे समय के बाद मायावती ने केन्द्रीय सरकार पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के सामाजिक और आर्थिक हालात काफी कड़वे और दुखद हैं। केंद्र सरकार की लगातार पूंजीपतियों समर्थक राजनीति से जनता का हो रहा नुकसान है। सरकारें कल्याणकारी जिम्मेदारियों से मुंह न मोड़ें। उन्होंने सरकारों को रोजी-रोटी और कानून-व्यवस्था पर ध्यान देने की नसीहत भी दी है। लखनऊ में अहम बैठक में मायावती ने बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर बल दिया। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जनाधार बढ़ाने और आर्थिक सहयोग पर रणनीति तैयार करने पर बल दिया। मायावती ने इसके साथ ही पार्टी के सभी कार्यकर्ता और नेताओं से विरोधी दलों की संकीर्ण राजनीति से बचने की अपील भी की है। इसके साथ ही यूपी में पांचवीं बार सरकार बनाने के मिशन पर फोकस करने को कहा है। उन्होंने चुनावी चुनौतियों को देखते हुए संगठन और मजबूत करने पर जोर दिया है। मायावती ने कहा कि बसपा की विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत और जन-उपयोगी प्रत्याशी के चयन पर खास नजर है। बसपा मुखिया ने कहा कि हमको फिर वैसा माहौल तैयार करना है कि यूपी की जनता फिर बसपा और आयरन लेडी नेतृत्व पर भरोसा करे। बसपा मुखिया ने पार्टी के पक्ष में जनरुझान बढ़ने का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि अब तो लोगों का आत्म-सम्मान से जीना मुश्किल होना दुखद है। मायावती ने रविवार को माल एवेन्यु में पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं के साथ बैठक में यह भी जोड़ा कि बसपा सरकार में ही ब्राह्मणों, कमजोरों, उपेक्षित तबकों की सुरक्षा और हिस्सेदारी संभव है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, पूंजीपतियों के हित में केंद्र सरकार के फैसलों से सर्वसमाज का अहित हो रहा है। डेढ़ दशक से उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर बसपा अध्यक्ष मायावती 2027 के विधान सभा चुनाव के जरिए फिर से सत्ता में लौटने को प्रयासरत हैं। इसके लिए वह पुराने समीकरणों पर नए सिरे से फोकस बढ़ा रही हैं। जिसमें ब्राह्मण समाज पर डोरे डालने का प्रयास किया गया। मायावती ने उत्तर प्रदेश में 2007 से 2012 तक की सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान ब्राह्मण समाज समेत सर्वसमाज को पार्टी और सरकार में बराबरी का प्रतिनिधित्व दिया गया था। उसी मॉडल से साबित है कि सर्वसमाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है।

उन्होंने कहा कि बसपा का मूल उद्देश्य सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक मुक्ति है। जिसमें हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित होती है। मायावती ने पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे विधानसभा चुनावों से पहले ब्राह्मण समाज और अन्य वर्गों तक बसपा की नीतियों और विचारधारा को मजबूती से पहुंचायें। बेहतर, मजबूत प्रत्याशियों का चयन किया जाए।

लखनऊ में ऐशबाग-गोरखपुर एक्सप्रेस से बिना सूचना कम कर दी गई एसी चेयर कार बोगियां, यात्री बेहाल

लखनऊ। इंटरनेट मीडिया पर इन दिनों कॉकरोच तेजी से वायरल है। इसी अंदाज में एक रेलयात्री ने रेलवे के सिस्टम पर तंज कसा। रविवार को ट्रेन 07076 गोरखपुर-हैदराबाद स्पेशल आठ घंटे लेट हो गई। नाराज यात्री ने रेलवे में शिकायत दर्ज कराई और कहा कि मेरी बूढ़ी मां और सभी यात्री काकरोच की तरह इधर-उधर भटक रहे हैं। रेलवे ने हमेशा की तरह यात्रियों के धैर्य को लेकर खेद जताकर पल्ला झाड़ लिया। वहीं, रेलवे ने लखनऊ से संचालित ऐशबाग-गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस से एसी चेयर कार बोगियों की संख्या कम कर दी। इसके कारण केवल एसी चेयरकार की तीन कोच पर अधिक भार आ गया। यात्री रविवार को भटकते रहे। ट्रेन 15070 ऐशबाग से शाम 4:30 बजे रवाना होकर रात 11:25 बजे गोरखपुर पहुंचती है। बलरामपुर-बढ़नी होकर चलने वाली इस ट्रेन में पहले एसी चेयरकार की मांग बहुत अधिक रहती है। ऐसे में इस ट्रेन में एसी चेयरकार की पांच बोगियां लगती थीं। यात्रियों ने एडवांस में रिजर्वेशन भी करा लिया।अब यात्री स्टेशन पहुंच रहे हैं तो पता चल रहा है कि केवल तीन एसी चेयरकार बोगियां ही लगायी जा रही हैं। ट्रेनों की लेट लतीफी, आरक्षित बोगियों में अनारक्षित यात्रियों का कब्जा और एसी काम नहीं करने के कारण यात्रियों का सफर दुश्वारियों भरा हो गया है। ट्रेन 15565 वैशाली एक्सप्रेस की एसी बोगी बी-1 में बिना टिकट और वेटिंग लिस्ट के यात्रियों के कारण आरक्षण कराकर सफर करने वाले यात्री परेशान हो गए। ट्रेन 15081 गोरखपुर-गोमतीनगर इंटरसिटी की बोगी सी-1 में जनरल टिकट लेकर सफर करने वाले यात्रियों के कब्जा करने की शिकायत यात्री मयंक नायक ने दर्ज करायी। ट्रेन 01416 गोरखपुर हड़पसर स्पेशल 16 घंटे की देरी से आयी। इस ट्रेन के यात्री शुभम मिश्र ने कहाकि इस ट्रेन की देरी से मेरा इंटरव्यू छूट जाएगा। इस पर जांच में पता चला कि हड़पसर से गोरखपुर जाने वाली स्पेशल 16 घंटे की देरी से आयी थी। इस कारण गोरखपुर से यह ट्रेन देरी से रवाना हो सकी। इसी तरह 02570 स्पेशल नई दिल्ली से दो घंटे की देरी से छूटी और बीच रास्ते छह घंटे लेट हो गई।

थाना समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद सम्भल के थाना धनारी एवं थाना कोतवाली बहजोई में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने की। सर्वप्रथम जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक थाना धनारी पहुंचे, जहां उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। समाधान दिवस में चकबंदी, ठियावंदी, भूमि की पैमाइश, अवैध कब्जा हटवाने तथा प्लॉट संबंधी विवादों से जुड़े मामले सामने आए। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भूमि संबंधी शिकायतों का शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त मामलों में संबंधित लेखपाल का नाम एवं मोबाइल नंबर शिकायतकताओं को उपलब्ध कराया जाए, ताकि शिकायतों की प्रगति की जानकारी आसानी से मिल सके।

इस दौरान जिलाधिकारी ने थाने में स्थापित बाल कक्ष एवं मातृ कक्ष का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक थाना कोतवाली बहजोई पहुंचे, जहां उन्होंने जनसामान्य की शिकायतें सुनीं। यहां भूमि में धोखाधड़ी एवं जालसाजी कर गलत नाम दर्ज कराने, विरासत, पट्टा, अवैध कब्जा हटवाने, ग्राम खग्गूपुरा में मध्य गंगा नहर पर पुलिया निर्माण, अंश निर्धारण एवं अंश संशोधन से संबंधित मामले प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को त्वरित राहत मिल सके और शासन की मंशा के अनुरूप कार्यवाही धरातल पर दिखाई दे। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत, तहसीलदार सतेन्द्र कुमार सिंह, संबंधित थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

गांव-गांव संगठन मजबूत करने पर भाकियू का जोर

किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो होगा बड़ा आंदोलन:- कामेंद्र चौधरी

असमोली/सम्भल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा ब्लॉक असमोली क्षेत्र के ग्राम हरथला में रविवार को जनजागरण अभियान के तहत किसान बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक शिव नारायण सैनी ने की, जबकि संचालन युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि संगठन विस्तार के साथ किसानों की एकजुटता पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने के लिए ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर नई कार्यकारिणियों का गठन किया जाएगा। साथ ही अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान तभी मजबूत होगा जब वह संगठित रहेगा। इसी उद्देश्य से गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक और संगठित किया जाएगा। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आगामी रणनीति भी तैयार की गई। बैठक में आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने में भ्रष्टाचार, वारिसान दर्ज कराने में परेशानी, गन्ना भुगतान, बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर, आवारा पशुओं की समस्या, खाद-बीज की कालाबाजारी, रहस्यमयी बुखार की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवा का छिड़काव तथा सम्भल रेल विस्तारीकरण जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि इन समस्याओं को लेकर जल्द ही प्रशासन से वार्ता की जाएगी। यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगा। बैठक में तहसील अध्यक्ष मेहंदी हसन, जिला मंत्री सुफियान पाशा, पूर्व प्रधान ओमकार सिंह, महेन्द्र सिंह, रामवीर सिंह, राजपाल सिंह, विमल सिंह, सतीश कुमार, पप्पू सिंह, अजहर हसन सहित महिला मोर्चा की ब्लॉक प्रभारी मुनेश देवी, सर्वेश देवी और आशा देवी समेत अनेक किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संगठन की मजबूती को लेकर भाजपा की मासिक बैठक आयोजित

हयातनगर/संभल(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को हयातनगर क्षेत्र के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर मासिक बैठकों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संगठन ही सेवा, संगठन ही शक्ति के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। हयातनगर अंतर्गत शक्ति केंद्र मनोकामना, लाडम सराय-1 एवं लाडम सराय-2 पर आयोजित बैठकों में मंडल प्रभारी के रूप में पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अर्जुन वाल्मीकि मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संगठन की नीतियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई तथा बूथ स्तर तक पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। जिला उपाध्यक्ष अर्जुन वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं और संगठन की मजबूती ही पार्टी की सफलता का आधार है। इस अवसर पर निवर्तमान मंडल अध्यक्ष गणेश शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक एवम नामित सभासद उत्तर प्रदेश सरकार सैय्यद शान अली, सुमित श्याम, खुशीर्दा बेगम सहित सभी बूथ अध्यक्ष एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में कार्यकताओं ने संगठन हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया।

बिजनौर में अजब चोरी, बाइक से 1 लाख रुपये की थैली मुंह में दबाकर ले भागा कुत्ता

बिजनौर (सब का सपना):- एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां कथित चोरी किसी इंसान ने नहीं बल्कि एक कुत्ते ने कर डाली। मामला उस समय चर्चा का विषय बन गया जब मस्जिद के बाहर खड़ी बाइक से एक लाख रुपये से भरी थैली गायब हो गई और CCTV फुटेज में एक काले रंग के कुत्ता उसे मुंह में दबाकर ले जाती दिखाई दिया। जानकारी के अनुसार, नई बस्ती चाहशीरी निवासी नवाब अहमद जानवरों की दवाइयों का मेडिकल स्टोर चलाते हैं। शनिवार दोपहर वह अपने एक परिचित को देने के लिए 500-500 रुपये की दो गड्डियां, कुल लगभग एक लाख रुपये, एक काली पन्नी में रखकर निकले थे। इसी दौरान पुरानी तहसील स्थित किले वाली मस्जिद में जोहर की नमाज का समय हो गया। नवाब

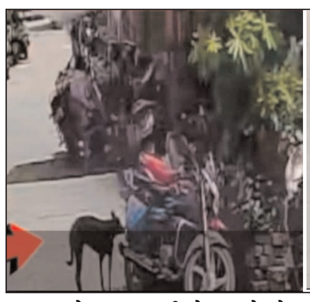

अहमद ने जल्दबाजी में रुपयों से भरी थैली अपनी बाइक पर टांग दी और नमाज पढ़ने मस्जिद के अंदर चले गए। करीब दस मिनट बाद जब वह नमाज अदा कर वापस लौटे तो बाइक पर टंगी थैली गायब थी। पहले उन्हें लगा कि किसी ने रुपये चोरी कर लिए हैं। आसपास मौजूद लोगों में भी हड़कंप मच गया। इसके बाद मस्जिद के बाहर लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज देखते ही सभी लोग हैरान रह गए। वीडियो में साफ दिखाई दिया कि एक काले रंग का कुत्ता बाइक के पास पहुंचता है, कुछ देर सूंघता है और फिर थैली को अपने जबड़े में दबाकर आराम से वहां से चला जाता है। यह अनोखा दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोग भी दंग रह गए। घटना के बाद नवाब अहमद और उनके परिजनों ने आसपास के इलाके में काफी तलाश की। झाड़ियों, नालों और खाली पड़े स्थानों में घंटों खोजबीन की गई, लेकिन देर शाम तक रुपयों से भरी थैली का कोई सुराग नहीं मिल सका। नवाब अहमद का कहना है कि मामला किसी इंसान द्वारा की गई चोरी का नहीं बल्कि एक जानवर से जुड़ा है, इसलिए उन्होंने पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। उनका कहना है, ऊपर वाला चाहेगा तो पैसा वापस मिल जाएगा। यह अनोखी घटना अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

लोग CCTV वीडियो को देखकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कोई इसे किस्मत का खेल बता रहा है तो कोई इसे लापरवाही का नतीजा मान रहा है। हालांकि घटना ने लोगों को यह सीख जरूर दी है कि सार्वजनिक स्थानों पर नकदी या कीमती सामान खुला छोड़ना कभी-कभी बेहद अप्रत्याशित परिस्थितियां पैदा कर सकता है।

आज से शुरू होगा मुफ्त राशन वितरण, पात्रों को मिलेगा गेहूं, चावल, बाजरा व मक्का

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत माह जून के आवंटन के सापेक्ष जनपद में आज से 10 जून तक निःशुल्क राशन वितरण किया जाएगा। यह जानकारी आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग उत्तर प्रदेश, जवाहर भवन लखनऊ के निदेशों के क्रम में दी गई है। जारी निदेशों के अनुसार अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति राशन कार्ड 21 किलोग्राम गेहूं, 09 किलोग्राम चावल, 04 किलोग्राम बाजरा तथा 01 किलोग्राम मक्का यानी कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 02 किलोग्राम गेहूं, 01 किलोग्राम चावल, 01 किलोग्राम बाजरा तथा 01 किलोग्राम मक्का यानी कुल 05 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क दिया जाएगा। खाद्यान्न का वितरण उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा। विभाग द्वारा बताया गया है कि वितरण के दौरान पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी, जिसके तहत उपभोक्ता किसी भी उचित दर दुकान से अपना राशन प्राप्त कर सकेंगे। राशन वितरण की अंतिम तिथि 10 जून निर्धारित की गई है। आधार प्रमाणीकरण में समस्या आने वाले उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से भी राशन वितरण की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी पात्र लाभार्थी को असुविधा न हो।

जनपद के सभी उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि ई-पॉश मशीन पर उपभोक्ता का अंगूठा लगवाने के बाद तत्काल निर्धारित मात्रा में पूरा खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। साथ ही प्रत्येक उचित दर दुकान पर कम से कम 10 लाभार्थियों का आईरिस स्कैनर के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने एवं जांच में पुष्टि होने पर संबंधित उचित दर विक्रेता के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जिन उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी अभी तक नहीं हुई है, उनसे अपील की गई है कि वे अपनी नजदीकी उचित दर दुकान पर जाकर जल्द से जल्द ई-केवाईसी पूर्ण करा लें, ताकि उन्हें आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से नियमानुसार खाद्यान्न प्राप्त हो सके।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 5 परिवारों का हुआ समझौता, 22 मामलों का निस्तारण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत के निदेशानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन बहजोई में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष डा. रूकमपाल सिंह ने की। बैठक के दौरान पति-पत्नी के मध्य चल रहे आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराने का प्रयास किया गया। काउंसलिंग के दौरान कुल 98 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 22 मामलों का निस्तारण किया गया। काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान दोनों पक्षों की सहमति से 05 परिवारों को फिर से मिलाया गया, जबकि 02 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। वहीं 15 पत्रावलियां आवेदक अथवा आवेदिका के काउंसलिंग में उपस्थित न होने एवं मामले में रुचि न लेने के कारण बंद कर दी गईं। बैठक में काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, लवमोहन वार्ष्णेय, संगीता भार्गव, कंचन माहेश्वरी, श्वेता गुप्ता, बबिता शर्मा सहित पुलिसकर्मी आरक्षी शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलौत, महिला आरक्षी ज्योति एवं महिला आरक्षी विनीता आदि उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में ड्यूटी कर रहे यातयात पुलिस के जवानों का हुआ सम्मान

व्यापार मंडल युवा इकाई ने पटका पहनाकर और छाते भेंट कर बढ़ाया हौसला

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में सड़कों पर मुस्तैदी के साथ यातायात व्यवस्था संभाल रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के सम्मान में रविवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल (युवा इकाई) की ओर से सराहनीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में फुब्बारे चौराहे पर पहुंचे व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने यातायात पुलिसकर्मियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया तथा गर्मी से बचाव के लिए छाते भेंट किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय मौजूद रहीं। इस दौरान कर्तव्यनिष्ठ यातायात प्रभारी जग रोशन सिंह सहित मुख्य आरक्षी दिग्विजय सिंह, सोनू अहलावत, सचिन कुमार, विकास कुमार, सनी तोमर, सौरभ सिंह, राजेश कुमार, लोकेंद्र सिंह, लोकेश कुमार, नंदराम, नेमपाल और हरीश पाल को सम्मानित किया गया।

नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि तपती धूप में लगातार ड्यूटी कर जनता की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना आसान काम नहीं है। यातायात पुलिस के जवान पूरे समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस का सम्मान तभी सार्थक होगा जब आमजन भी यातायात नियमों का पालन करें। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना और रेड लाइट का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय ने कहा कि नगर पालिका की ओर से फुब्बरे चौराहे पर यातायात पुलिसकर्मियों के बैठने की समुचित व्यवस्था कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने में पुलिसकर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और ऐसे कर्मठ जवान सम्मान के पात्र हैं।

व्यापार मंडल की इस पहल की स्थानीय नागरिकों और पुलिसकर्मियों ने जमकर सराहना की। कार्यक्रम में प्रभात कृष्णा, वसीम अख्तर, शाह आलम मंसूरी, सागर गुप्ता, निशांत शर्मा, उमेर, रितिक वार्ष्णेय, तुषार कृष्टल, सोनू, शुभम अग्रवाल सहित संगठन के कई पदाधिकारी और स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

उधार के रुपये मांगने पर विवाद में युवक से मारपीट, अपहरण की कोशिश

फर्जी खाद्य पंजीकरण बनाकर चल रही मीट शॉप का खुलासा, अलग अलग दोनों मामलों में पांच लोग गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक ओर थाना चन्दौसी क्षेत्र में उधार के रुपये मांगने पर युवक के साथ मारपीट और अपहरण के प्रयास का मामला सामने आया, वहीं थाना रायसत्ती क्षेत्र में फर्जी खाद्य पंजीकरण बनाकर मीट शॉप संचालित करने के मामले में भी पुलिस ने कार्रवाई की। थाना चन्दौसी में पीड़ित अरविन्द शर्मा पुत्र जयप्रकाश निवासी बड़ा महादेव चन्दौसी ने तहरीर देकर बताया कि उनके पुत्र सक्षम शर्मा ने अपने परिचित शिवम शर्मा पुत्र सतीश चन्द्र शर्मा को 20 हजार रुपये उधार दिए थे। काफी समय से रुपये वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल कर रहा था। आरोप है कि शनिवार को शिवम शर्मा ने सक्षम को दाऊ जी मंदिर कैथल गेट पर रुपये देने के बहाने बुलाया, जहां उसने अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट की तथा कार में बैठाकर अपहरण करने का प्रयास किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर रविवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवम शर्मा उम्र करीब 22 वर्ष, मुनव्वर अली पुत्र मुसर्रफ अली उम्र करीब 42 वर्ष तथा अहजान पुत्र सगीर उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।वहीं दूसरे मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जोन-2 नगर सम्भल अशोक कुमार ने थाना रायसत्ती में शिकायत दर्ज कराई कि 20 मई को मोहल्ला पंजू सराय स्थित एक चिकन मीट शॉप की जांच के दौरान दुकान संचालक हनीफ पुत्र अब्दुल रशीद के खाद्य पंजीकरण का रिकॉर्ड पोर्टल पर नहीं मिला। पूछताछ में बताया गया कि पंजीकरण सीएससी संचालक आदिल वसीम द्वारा बनवाया गया था। जांच में उसी नंबर पर दूसरा पंजीकरण भी पाया गया, जिससे धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का मामला सामने आया।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर रविवार को आरोपी हनीफ अहमद पुत्र अब्दुल रशीद तथा आदिल वसीम पुत्र मोहम्मद वसीम को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अस्पताल की लापरवाही ने छीन ली मासूम की जिंदगी

खेलते-खेलते ऑक्सीजन सिलेंडर की चपेट में आया 3.5 साल का बच्चा, CCTV ने खोली सुरक्षा इंतजामों की पोल

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जिले से एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसने निजी अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नजीबाबाद क्षेत्र स्थित कृष्णा नर्सिंग होम में कथित लापरवाही के चलते महज साढ़े तीन साल के मासूम बच्चे की जान चली गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग अस्पताल प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि मासूम बच्चा अस्पताल परिसर में खेल रहा था। इसी दौरान खुले में असुरक्षित तरीके से रखे गए ऑक्सीजन सिलेंडरों में से एक भारी सिलेंडर अचानक बच्चे के ऊपर गिर पड़ा। हादसा इतना भयावह था कि बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना का CCTV वीडियो सामने आने के बाद लोगों

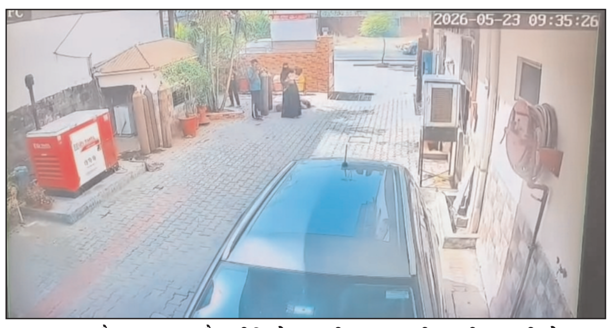

का गुस्सा और बढ़ गया है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि अस्पताल परिसर में ऑक्सीजन सिलेंडर खुले में बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के खड़े थे। इतना ही नहीं, अस्पताल परिसर में बिजली के खुले तार और लटकते विद्युत बॉक्स भी दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से चिंता जता रहे थे। मासूम की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां लोगों की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी होती है, वहां यदि इस तरह की लापरवाही बरती जाएगी तो आम लोगों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग अस्पताल के बाहर जमा हो गए और कृष्णा नर्सिंग होम के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल को सील करने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि अस्पताल में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता और ऑक्सीजन सिलेंडरों को सुरक्षित तरीके से रखा गया होता, तो मासूम की जान बच सकती थी। लोगों का यह भी कहना है कि केवल जांच और आश्वासन से परिवार को न्याय नहीं मिलेगा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस उउळश फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर निजी अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर बहस छेड़ दी है। लोगों का कहना है कि अस्पतालों में नियमित सुरक्षा ऑडिट और प्रशासनिक निगरानी बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल पूरे क्षेत्र में शोक और गुस्से का माहौल है। हर किसी की जुबान पर बस एक ही सवाल है – आखिर इस मासूम की मौत का जिम्मेदार कौन?

नजीबाबाद:- फर्जी छापेमारी गैंग का भंडाफोड़, होटल संचालकों से वसूली के खुल रहे राज

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना): नजीबाबाद में होटल कारोबारियों को डरा-धमकाकर अवैध वसूली करने वाले गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश किया है। जांच में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। गिरोह सुनियोजित तरीके से होटल संचालकों को बदनाम करने और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उगाही करता था।

राजन होटल की घटना से खुला मामला

हरिद्वार रोड स्थित राजन होटल में हुई घटना के बाद पुलिस ने एक महिला समेत चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। जांच में पता चला कि आरोपी फर्जी पहचान पत्रों और प्रभावशाली लोगों के नाम का इस्तेमाल कर होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों पर दबाव बनाते थे। गिरोह पहले होटल में पहुंचकर माहौल बनाता, फिर रजिस्टर, आईडी और कमरों की जानकारी लेने के बहाने संचालकों को डराता था। इसके बाद कार्रवाई, बदनामी और वीडियो वायरल करने का भय दिखाकर पैसों की मांग की जाती थी। सूत्रों के मुताबिक, राजन होटल मामले में भी आरोपियों ने होटल का रजिस्टर और चाबियां कब्जे में लेकर संचालक को ऊपर ले जाकर दबाव बनाया था। पुलिस मारपीट, धमकी और अवैध वसूली से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है।

18 हजार नकद बरामद, ऑनलाइन लेनदेन की जांच

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 18 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। साथ ही मोबाइल फोन और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की भी जांच की जा रही है। आशंका है कि गैंग नकद के अलावा ऑनलाइन माध्यम से भी रकम वसूलता था।

होटल कारोबारियों में दहशत

मामले के सामने आने के बाद जिले के होटल कारोबारियों में दहशत है। कई संचालकों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से कुछ लोग अचानक होटल में पहुंचकर दबाव बनाते थे। बदनामी और विवाद के डर से कई लोग शिकायत नहीं कर पा रहे थे। अब पुलिस कार्रवाई के बाद अन्य पीड़ितों के भी सामने आने की संभावना है।

नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गिरोह केवल बिजनौर जिले तक सक्रिय था या आसपास के अन्य जिलों में भी वारदात की गई। अधिकारियों का कहना है कि अन्य मामलों की पुष्टि होने पर आरोपियों के खिलाफ और गंभीर धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं। घटना ने होटल और गेस्ट हाउस कारोबार से जुड़े लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारिक संगठनों ने पुलिस से ऐसे गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की है। थाना नजीबाबाद पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए साक्ष्य जुटाने और नेटवर्क खंगालने में लगी है। अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी पारदर्शिता से की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी विधिक कार्रवाई होगी।

प्रेस क्लब स्योहारा' के बैनर तले निशुल्क शीतल पेय की बांटी गई बोतलें

सफर के थके मुसाफिर और स्योहारा की ठंडी छांव, रूह को तृप्त कर गया यह सेवा का महायज्ञ

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के स्योहारा रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म आज एक अद्भुत मानवीय सेवा का गवाह बना। आसमान से गिरती आग और शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी के बीच ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों को 'प्रेस क्लब स्योहारा' के बैनर तले निशुल्क शीतल पेय की बोतलें बांटी गईं। इस पुनीत कार्य ने कड़कड़ाती धूप के बीच मुसाफिरों को बड़ी राहत पहुंचाई। अभियान के दौरान प्रसिद्ध चिकित्सक और क्लब के संरक्षक डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा ने कहा, "तपती धूप में प्यास से व्याकुल मुसाफिरों के चेहरे पर ठंडे पानी की बोतल देखते ही जो मुस्कान आई, उसने हमारी सारी थकान मिटा दी।

मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है और इस प्रचंड गर्मी में यह प्रयास लोगों के जीवन को राहत देने का एक छोटा सा जरिया है।" प्रेस क्लब के अध्यक्ष शारिक जैदी ने इस पुनीत कार्य पर जोर देते हुए कहा, "ट्रेनों में सफर कर रहे आम लोगों को इस मौसम में पानी के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है। प्रेस क्लब स्योहारा ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को समझते हुए यह कदम उठाया है। जब तक सूर्य का प्रकोप जारी रहेगा, हमारा यह सेवा का संकल्प अडिग रहेगा और हम यात्रियों तक राहत पहुंचाते रहेंगे।"
इस सेवा यज्ञ में संरक्षक कांता प्रसाद पुष्पक, डॉ शाश्वत वर्मा, महामंत्री नजम सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष मोहम्मद आलम, इमरान मंसूरी, नसीम अहमद, प्रशांत रस्तोगी, फहीम खान, सलीम कुरैशी, मौहम्मद माज, ताहिर, सोनू और मनीष आदि तमाम जागरूक नागरिकों ने अपना सक्रिय योगदान दिया। कड़कड़ाती धूप में भी इन समाजसेवियों का उत्साह कम नहीं हुआ और उन्होंने हर आने-जाने वाली ट्रेन के यात्रियों तक शीतल पेय पहुंचाया।

बिजनौर में देव ऋषि नारद जयंती एवं हिंदी पत्रकारिता दिवस आयोजित

रवा राजपूत धर्मशाला में जुटे जनपद के पत्रकार, मुख्य वक्ताओं ने पत्रकारिता के मूल्यों और जन-सरोकार पर रखे विचार

बिजनौर (सब का सपना):- विश्व संवाद केंद्र शाखा बिजनौर की ओर से मंडावर रोड स्थित रवा राजपूत धर्मशाला में 'देव ऋषि नारद जयंती' एवं 'हिंदी पत्रकारिता दिवस' के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के तमाम प्रबुद्ध पत्रकारों, विचारकों और गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा आदि पत्रकार देव ऋषि नारद जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर और पुष्प अर्पित करके किया गया। इसके उपरांत मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए देव ऋषि नारद को ब्रह्मांड का प्रथम पत्रकार बताया। वक्ताओं ने कहा कि नारद जी का संवाद लोक-कल्याण और सत्य पर आधारित था, जिससे आज के आधुनिक पत्रकारों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। इसके साथ ही हिंदी पत्रकारिता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आवाज को बुलंद करना ही सच्ची पत्रकारिता है। राष्ट्र निर्माण और सामाजिक चेतना जागृत करने में हिंदी पत्रकारिता का योगदान अतुलनीय रहा है। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने वर्तमान दौर में पत्रकारिता के समक्ष आ रही चुनौतियों और उनके समाधान पर भी गहन मंथन किया। कार्यक्रम के अंत में आए हुए सभी आगंतुकों और पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया गया।

स्योहारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मारपीट कर सड़क जाम करने वाले 8 आरोपी गिरफ्तार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने कस्बे में शांति व्यवस्था भंग कर सड़क जाम करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में कार्रवाई करते हुए 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार 23 मई को कस्बे में दो पक्षों के बीच जमकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद उपद्रवियों ने सड़क पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम के साथ भी अभद्रता कर सरकारी कार्य में बाधा डाली गई।

उप-निरीक्षक शिवनैन की तहरीर पर थाना स्योहारा में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में 24 मई को पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती, कस्बा स्योहारा से 8 अभियुक्तों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत रोहित पुत्र धनपाल, सौरभ पुत्र रिंकू, राजा पुत्र भारत सिंह, नवीन पुत्र रामपाल, आकाश पुत्र ललित उर्फ रवि, शुभम पुत्र पप्पू, रोकी पुत्र मनोहर सिंह, गौरव पुत्र मनोज को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती, कस्बा व थाना स्योहारा के निवासी हैं। इस कार्रवाई को उप-निरीक्षक समयपाल सिंह, हेड कांस्टेबल बृजपाल सिंह, हेड कांस्टेबल नवीन जोशी, कांस्टेबल अमजद, कांस्टेबल प्रदीप कुमार और कांस्टेबल अंकुर सिरोहा की टीम ने अंजाम दिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कस्बे में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अराजक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा।

बिजनौर में 27 मई तक लू का अलर्ट, जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने आमजन, किसानों और पशुपालकों से बरतने को कहा विशेष सावधानी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में बढ़ती गर्मी और संभावित हीट वेव को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मौसम विभाग (आईएमडी) लखनऊ से प्राप्त चेतावनी के आधार पर जनपदवासियों, किसानों और पशुपालकों के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने 27 मई तक जिले में कहीं-कहीं उष्ण लहर (लू) चलने की संभावना जताई है। जिलाधिकारी ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि और तेज गर्म हवाएं चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे देखते हुए लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां अपनाने की सलाह दी गई है। जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि

दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। यदि अत्यंत आवश्यक हो तो हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें तथा सिर को कपड़े, टोपी या छतरी से ढककर रखें। शरीर में पानी की कमी न हो, इसके लिए अधिक मात्रा में पानी, छाछ, नींबू पानी और ओआरएस का सेवन करने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों का अतिरिक्त ध्यान रखने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग को भी संभावित हीट स्ट्रोक के मामलों को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। कृषकों के लिए जारी सलाह में कहा गया है कि खेतों में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें तथा कटाई के बाद फसल को लंबे समय तक खुले खेत में न छोड़ें। वहीं पशुपालकों को पशुओं को छायादार स्थान पर रखने और पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। एडवाइजरी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक तेज धूप में बाहर निकलने से यथासंभव बचें। बच्चों और जानवरों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें तथा अधिक तैलीय और बासी खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज करें। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि मौसम विभाग और जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा लू से बचाव संबंधी सावधानियां अपनाकर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

नगीना देहात पुलिस ने चोरी की बाइक सहित एक को किया गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के नगीना देहात थाना में पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की एक सुपर स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरशद पुत्र मोहम्मद इलियास के रूप में हुई है, जो मोहल्ला लकड़ी पड़ाव, थाना कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल का निवासी है। पुलिस के अनुसार, यह

बाइक उत्तराखंड के कोटद्वार के रहने वाले एक युवक द्वारा चोरी की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अरशद के खिलाफ पहले से भी चोरी और अन्य धाराओं में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल, पुलिस आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर रही है। बिजनौर पुलिस ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चांदपुर प्रकरण से भाजपा संगठन में हलचल तेज, PWD गेस्ट हाउस में की गई बैठक

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बिजनौर जिले की राजनीति इन दिनों चांदपुर में सामने आए एक चर्चित प्रकरण को लेकर गरमाई हुई है। मामले ने भाजपा संगठन के भीतर भी हलचल तेज कर दी है। इसी को लेकर चांदपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेताओं और कार्यकताओं की एक आपातकालीन बैठक चांदपुर स्थित PWD गेस्ट हाउस में आयोजित की गई, जहां संगठन के दो जिला मंत्रियों के कथित आचरण और गतिविधियों को लेकर गहरा रोष व्यक्त किया गया। सूत्रों के अनुसार बैठक में मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने दोनों जिला मंत्रियों के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई। आरोप लगाया गया कि हालिया घटनाक्रम से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है और संगठन स्तर पर असहज स्थिति पैदा हुई है।

बैठक के दौरान कई कार्यकताओं ने दोनों नेताओं को पार्टी से निष्कासित करने की मांग भी उठाई। बैठक का माहौल काफी गंभीर और तनावपूर्ण बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि कार्यकताओं ने संगठन की प्रतिष्ठा और जनता के बीच पार्टी की साख को ध्यान में रखते हुए जल्द कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। कई नेताओं ने कहा कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो इसका राजनीतिक असर आने वाले समय में देखने को मिल सकता है। चांदपुर में उभरे इस विवाद ने जिले की राजनीति में अंदरखाने हलचल बढ़ा दी है। राजनीतिक गलियारों में लगातार चर्चाएं हो रही हैं कि आखिर मामला कितना गंभीर है और संगठन स्तर पर इसे किस तरह लिया जा रहा है। पार्टी के भीतर भी अलग-अलग खेमों में चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक मामला अब लखनऊ तक पहुंच चुका है और भाजपा हाईकमान को भी पूरे घटनाक्रम से अवगत करा दिया गया है। बताया जा रहा है कि संगठन स्तर पर रिपोर्ट तलब की गई है तथा पूरे प्रकरण की समीक्षा की जा रही है।
राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि मामला लंबा खिंचता है तो इसका असर जिले की संगठनात्मक राजनीति पर पड़ सकता है।
वहीं कार्यकताओं के बीच यह चर्चा भी तेज है कि पार्टी अनुशासन और छवि को लेकर हाईकमान किस स्तर तक कार्रवाई करता है। फिलहाल भाजपा संगठन की ओर से आधिकारिक रूप से कोई सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन जिले की राजनीति में यह मुद्दा चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि भाजपा नेतृत्व जांच और समीक्षा के बाद क्या निर्णय लेता है और संबंधित नेताओं पर कब तक कार्रवाई होती है।

महिला हत्या कांड में फरार चल रहे दो आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने महिला की हत्या और साक्ष्य मिटाने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।
पुलिस के अनुसार यह मामला ग्राम बेरखेड़ा का है। वादी सतवीर सिंह निवासी अनवरपुर चंडिका थाना अफजलगढ़ ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी बहन के साथ मारपीट कर

हत्या कर दी गई। मामले में सुनील कुमार, जोगेंद्र और धर्मेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।
घटना के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी सुनील कुमार को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया था। पुलिस जांच के दौरान मृतका के शव को जलाकर साक्ष्य मिटाने की बात भी सामने आई थी, जिसके बाद मामला और गंभीर हो गया।
अब थाना स्योहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी जोगेंद्र पुत्र हीरा सिंह और धर्मेंद्र पुत्र हीरा सिंह निवासी ग्राम बेरखेड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले में अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं।
पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी जोगेंद्र के खिलाफ पहले से भी एक मुकदमा दर्ज है, जबकि धर्मेंद्र का कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।

राजपाल लोधी ने के पी एल क्रिकेट टूनार्मेंट का किया उद्घाटन

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना) चंद्रपाल सिंहः- के पी एल क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन करने के लिए स्याना विधानसभा से राजपाल लोधी तहसील के गांव किरयावली पहुंचे जहां पर समस्त ग्राम वासियों ने उन्हें फूल माला व पटका पहनकर उनका जोरदार स्वागत किया। स्वागत के बाद राजपाल सिंह लोधी ने पिच पर फीता काटकर क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ किया। राजपाल सिंह ने बताया कि ऐसे क्रिकेट टूनार्मेंट क्षेत्र

में होते रहने चाहिए, जिससे कि युवाओं कोअपनी अपनी प्रतिभाएं दिखाने का मौका मिले सके, क्योंकि ऐसी ही प्रतियोगिताओं से ही बड़े-बड़े खिलाड़ी बनते हैं और बड़ी-बड़ी टीमों में भाग लेते हैं जिससे कि देश का नाम रोशन होता है।। इस दौरान क्रियावली प्रधान पद के उम्मीदवार प्रेमचंद लोधी प्रवेश कुमार वीरपाल सिंह, डॉक्टर राजेश कुमार ,जगत सिंह बलेराम सिंह, राहुल कुमार ,बैंक मित्र अभय सिंह, पूर्व पुलिस सब इंस्पेक्टर सुमित कुमार व ग्रामवासी मौजूदरहे।।

शिवसेना ने संगठन विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों की घोषणा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- शिवसेना जिला कार्यालय पर संगठन विस्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नई जिम्मेदारियों की घोषणा की। इस दौरान तरुण कुमार को स्याना क्षेत्र से तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया, जबकि किट्टू चौहान को महिला मोर्चा का

जिला सचिव बनाया गया। जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय बालासाहेब ठाकरे के विचारों और सिद्धांतों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से कार्य करें तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाए।

ईदुल अजहा बकरीद को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक, बकरों की खरीदारी तेज

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर में आगामी ईदुल अजहा (बकरीद) पर्व को लेकर बाजारों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नगर के बाजारों में इन दिनों सुबह से देर शाम तक लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बकरीद के मद्देनजर बकरों की खरीदारी तेज हो गई है और विभिन्न क्षेत्रों से व्यापारी अच्छे नस्ल के बकरे लेकर पहुंच रहे हैं। नगर के बाजारों में छोटे से लेकर बड़े आकार के बकरे आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। खरीददार अपनी पसंद और बजट के अनुसार बकरों की खरीदारी कर रहे

हैं। कई बकरों की कीमत हजारों रुपये तक बताई जा रही है। बच्चों और युवाओं में भी बकरों को लेकर खास उत्साह दिखाई दे रहा है। बाजार में चारा, रस्सी, सजावटी सामान और पशुओं से जुड़े अन्य सामानों की दुकानों पर भी अच्छी बिक्री हो रही है। दुकानदारों का कहना है कि बकरीद नजदीक आते ही बाजार में रौनक लगातार बढ़ रही है और अगले एक दो दिनों में खरीदारी और तेज होने की उम्मीद है। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन भी सतर्क दिखाई दे रहा है। बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है

ताकि पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि बकरीद मुस्लिम समाज का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे भाईचारे, कुबार्नी और इंसानियत के संदेश के साथ मनाया जाता है। पर्व को लेकर लोगों में काफी उत्साह बना हुआ है।

अरुणाविन फाउंडेशन द्वारा नि:शुल्क समर कैंप का किया गया शुभारंभ

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के शिवपुरी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में अरुणाविन फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क समर कैंप का शुभारंभ बड़े उत्साह एवं संस्कारपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष अमित मित्तल एवं उनकी धर्मपत्नी तथा विद्यालय की प्राचार्या अनीता सिंह द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में रवीकांत, आश्री अग्रवाल, मनीता गोयल, प्रतिभा अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
समर कैंप का उद्देश्य बच्चों में संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता का विकास करना है। कार्यक्रम की शुरूआत उमेश चतुर्वेदी द्वारा माँ सरस्वती के मंत्र

एवं चेतना गीत के साथ हुई। इसके पश्चात योग गुरु अनीता जी ने बच्चों को योगाभ्यास कराया तथा योग के प्रत्येक आसन एवं उसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं उर्वशी गर्ग द्वारा बच्चों को मेडिटेशन कराया गया और सकारात्मक सोच व एकाग्रता का महत्व समझाया गया। समर कैंप के दौरान बच्चों को अच्छे संस्कार एवं व्यवहारिक जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें भी सिखाई गईं। बच्चों को बताया गया कि घर में आने वाले अतिथियों का सम्मानपूर्वक स्वागत कैसे करें, उन्हें आदरपूर्वक कैसे बैठाएं तथा घर और विद्यालय में अनुशासित व्यवहार कैसे अपनाएं। साथ ही यह भी प्रेरित किया गया कि बच्चे मोबाइल फोन से दूरी बनाकर अपने समय का सदुपयोग करें और अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाएं।
अरुणाविन फाउंडेशन की फाउंडर द्वारा बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन एवं पारिवारिक मूल्यों का महत्व समझाते हुए प्रेरणादायक बातें बताई गईं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।
वंदे मातरम् के साथ प्रातः 11 बजे कार्यक्रम का समापन किया गया। अंत में सभी बच्चों को आइसक्रीम, बिस्किट एवं अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई।
समर कैंप के माध्यम से बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ संस्कार एवं जीवन उपयोगी शिक्षा देने का यह प्रयास सभी उपस्थित अतिथियों द्वारा सराहा गया।

मोबाइल चोरी करने वाले 4 शातिर गिरफ्तार

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के पहासू थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जटोला नहर पुल के पास चेकिंग के दौरान चार शातिर मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात चोरी के मोबाइल फोन और चार अवैध चाकू बरामद किए हैं। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी राहगीरों के मोबाइल चोरी कर सस्ते दामों में बेच देते थे। पूछताछ में आरोपियों की पहचान करण निवासी नगलिया टक्कर,

दिनेश व दीपक निवासी पलड़ा झाझल तथा अमन निवासी शिकारपुर अड्डा के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया है।

ग्रेटर कैलाश में 1 करोड़ की चोरी का पदार्फाश, माली निकला मास्टरमाइंड, 10 केएम तक 250 सीसीटीवी कैमरों में हुआ था कैद

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के स्पेशल स्टाफ ने ग्रेटर कैलाश थाना क्षेत्र में एक करोड़ की चोरी मामले को 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। 10 किलोमीटर तक सीसीटीवी कैमरे ट्रैक कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी सांवरा गुर्जर उर्फ सुनील जिला टोंक, राजस्थान का रहने वाला है और दक्षिणी दिल्ली में मदनपुर खादर में रहकर घरों में माली का काम करता था। 20 मई को पम्पोश एन्क्लेव में चोरी की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि दिन के समय घर बंद था और रात को लौटने पर ताले टूटे हुए मिले। घर से सोने, हीरे और चांदी के गहनों सहित लगभग एक करोड़ कीमत के गहने और 6.5 लाख नकद चोरी हुए थे। एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने खंगाले

250 सीसीटीवी कैमरे दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक, स्पेशल स्टाफ की दो टीमें एक इंस्पेक्टर अनुज कुमार तो दूसरी इंस्पेक्टर भानु प्रताप के नेतृत्व में लगाई गईं। 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और आरोपी की गतिविधियों को लगभग 10 किलोमीटर तक ट्रैक किया गया। 22 मई का छापा मारकर मदनपुर खादर से आरोपी सांवरा गुर्जर उर्फ सुनील को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए सोने, हीरे के गहनों और नकदी बरामदगी की। दिन में रेकी, रात में करता था चोरी आरोपी सांवरा दिन के समय रिहायशी कॉलोनियों की रेकी करता था और बंद घरों को निशाना बनाता था। घर तोड़ने वाले औजारों का इस्तेमाल करके चोरी करने के बाद, वह तुरंत अपना ठिकाना बदल लेता था और पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए स्थानीय संपर्कों के जरिए चोरी के गहनों को ठिकाने लगा देता था। उसने पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। घरों में माली के तौर पर काम करता था। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में दर्ज आपराधिक मामले में भी उसकी संलिप्तता रही है, जिसमें वह फरार चल रहा था। कोर्ट ने पिछले महीने ही उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे।
इनकी हुआ बरामदगी 12 लाख की कीमत वाली हीरे की घड़ी हीरे की सॉलिटेयर अंगूठी कान की सोने की बालियां तीन लाख की कीमत वाली टैग ह्यूअर घड़ी मून ब्रेसलेट- 3,57,000 नकद बरामद

दिल्ली का मौसम: लू और गर्मी से बेहाल दिल्ली-एनसीआर, 28 मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। शनिवार को मौसम में देखने को मिला बदलाव थोड़े ही समय के लिए था। कुछ ही घंटों के बाद गर्मी फिर से अपनी रंगत में आ गई। मौसम विभाग के अनुमान पा जाएं तो अभी सप्ताह भर दिल्ली-एनसीआर वासियों को ऐसी ही भीषण गर्मी का सामना करना होगा। तीखी धूप में तापमान में तेजी से वृद्धि होगी और लू भी चलेगी। मौसम विभाग ने 28 मई तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। दूसरी तरफ दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में चल रही है। न्यूनतम तापमान 28.7 डिग्री दर्ज रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 44 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिन भर आसमान साफ रहेगा एवं तेज

धूप भी निकली रहेगी। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली गर्म हवा के थपेड़े भी खाने पड़ सकते हैं। उधर, रविवार को सुबह नौ बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 210 दर्ज किया गया। इसे 'खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा मध्यम से खराब श्रेणी में ही चल रही है। पूवार्नुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच शनिवार को लोगों को हल्की राहत मिली। आसमान में बादलों की आवाजाही और तेज हवाएं चलने से तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि उमस और गर्म हवाओं का असर दिनभर बना रहा। पिछले कई दिनों से एनसीआर में भीषण गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं और जरूरी काम से ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। शनिवार को आसमान में बादलों की आवाजाही भी बनी रही। करीब 19 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के कारण लोगों को तपिश से कुछ राहत महसूस हुई। इसके बावजूद दोपहर के समय गर्मी का असर बरकरार रहा। गर्मी से बचने के लिए लोगों ने शीतल पेय, जूस और अन्य ठंडी चीजों का सहारा लिया।

दिल्ली के लाल किला पर आज जनजातीय समुदाय का महासमागम, सनातन संस्कृति और मतांतरण पर बड़ा संदेश

नई दिल्ली। आज दिल्ली के लोग देश की अद्भुत जनजाति सांस्कृतिक धरोहर से एकाकार होंगे। पहली बार जब एक साथ 1.5 लाख लोग देश के सुदूर क्षेत्रों के वन जीवन से बाहर निकलकर राजधानी की सड़कों पर अपनी विशिष्ट वेशभूषा, बोली, वाद्ययंत्र और नृत्य संगीत के साथ लाल किला की ओर बढ़ेंगे तो वह दृश्य अद्भुत, अविस्मरणीय और अचंभित कर देने वाला होगा। लाल किला मैदान में रविवार को दोपहर बाद जनजाति सांस्कृतिक समागम के जरिए जनजातियों का सबसे बड़ा जमावाड़ा लगने वाला है। दिल्ली के लोगों से आत्मीय संबंध स्थापित करने की चाह इतनी कि ये लोग खुद के खर्च पर यहां पहुंच रहे हैं। सदियों से वन संस्कृति को सनातन से काटकर अलग-थलग करने की कोशिश में मतांतरण का षड्यंत्र चल रहा है। इस समागम के जरिए उसको करारा जवाब देते हुए जनजाति समाज के लोग "तू मैं एक रक्त, वनवासी-ग्रामवासी-नगरवासी" का मुखर संदेश बुलंद करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह देश को बड़ा संदेश देंगे विशेष बात कि उन्हें संबोधित कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह देश को बड़ा संदेश देंगे। नक्सलवाद के जरिए लाल गलियारे के षड्यंत्र को जड़ से खत्म करने वाले गृहमंत्री ने हाल ही में अर्बन नक्सवालद को लेकर देशवासियों को चेताया है। समागम के बाद जनजातियों का प्रतिनिधिमंडल मतांतरण के षड्यंत्र पर रोक लगाने व मतांतरित किए जनजाति समाज के लोगों को आरक्षण का लाभ लेने से रोकने समेत अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री को ज्ञापन भी सौंपेगा। समागम के लिए छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, अंडमान, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों से जनजातियों का जत्था दिल्ली पहुंचने लगा है। उसमें 500 प्रकार के जनजाति समाज से जुड़े लोग हैं। दिल्ली पहुंचे अधिकतर लोग पहली बार की ट्रेन की यात्रा विशेष बात कि उनमें से दिल्ली पहुंचे अधिकतर लोग न सिर्फ पहली बार राष्ट्रीय राजधानी आए हैं, बल्कि पहली बार ट्रेन की यात्रा की है। अपने वन जीवन से बाहर निकलकर किसी बड़े शहर पहुंचे हैं। उसमें छत्तीसगढ़ की बुधरी ताती व आंति बेक भी शामिल हैं। इसी तरह, पूर्वी दिल्ली के एक स्कूल में ठहरे आंध्र प्रदेश के लोग अपने वाद्य यंत्र पर झूमते गाते खुशी मना रहे हैं।

पंजाब: मोगा में बीजेपी प्रत्याशी के प्रचारक का शव मिला, दो बेटियों के सिर से उठा पिता का साया; 3 संदिग्ध गिरफ्तार

मोगा। पंजाब के मोगा जिले के कोटकपूरा बाईपास पर रेलवे ओवरब्रिज के पास रविवार को दोपहर एक खाली प्लॉट से व्यक्ति का शव मिला है। मृतक वार्ड नंबर 15 से भाजपा प्रत्याशी के हक में चुनाव प्रचार करने के लिए मोगा आया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के साथ ही अज्ञात लोगों पर केस दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक ठेके पर जमीन लेकर सिचाई करने वाला जहां किसान था। वही दो बेटियों का पिता भी था। मामले को लेकर जानकारी देते हुए डीएसपी सिटी जतिंदर सिंह गिल ने बताया कि गांव मेहमे सिंह वाला का रहने वाला

अमनदीप सिंह वीरवार को वार्ड नंबर 15 से चुनाव लड़ने वाले भाजपा प्रत्याशी के हक में चुनाव प्रचार करने के लिए निकला था।चुनाव प्रचार करके वह देर रात घर के लिए रवाना हुआ था। लेकिन वह घर में नहीं पहुंचा। परिवार द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने केस दर्ज करके आगामी कार्रवाई शुरू कर दी थीं। डीएसपी सिटी ने बताया कि रविवार की दोपहर उन्हें सूचना मिली कि रेलवे ओवर ब्रिज के निकट खाली प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। उन्होंने तुरंत पुलिस पार्टी के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की तो पता चला कि उक्त शव अमनदीप सिंह पुत्र बिंदर सिंह निवासी मेहमा सिंह वाला का है।जिस पर उन्होंने इसकी सूचना तुरंत उसके परिजनों को सूचित किया। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर समाज सेवा सोसायटी के सहयोग से शव को पोस्टमार्टम के लिए मोगा के सिविल अस्पताल में पहुंचाकर दिया है। डीएसपी सिटी ने कहा कि पुलिस द्वारा अज्ञात लोगों पर केस दर्ज करके शंका के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रिश्तेदारों से परेशान दंपति ने उठाया खौफनाक कदम, पटियाला में तीन बच्चों को नहर में फेंका, फिर खुद लगाई छलांग

पटियाला। पंजाब के पटियाला के गंडा खेड़ी थाना इलाके में रविवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां भाखड़ा नहर में एक दंपति ने अपने तीन बच्चों को फेंकने के बाद खुद भी छलांग लगा दी। इस दर्दनाक घटना में तीनों बच्चों की मौत हो गई, जबकि स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से माता-पिता को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही लोगों ने दंपति को नहर की तरफजाते देखा और चीख-पुकार सुनी, उन्होंने तुरंत गोताखोरों और पुलिस को सूचना दी। काफी मशक्कत के बाद पांचों को नहर से बाहर निकाला गया। लांडरा का रहने वाला परिवार हालांकि तब तक तीनों बच्चों

की मौत हो चुकी थी। मृतकों में लगभग 14 वर्षीय बड़ा बेटा, 12 वर्षीय बेटी और सात वर्षीय एक अन्य बच्चा शामिल है। पुलिस अभी अन्य आधिकारिक जानकारी जुटाने में लगी हुई है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह परिवार लांडरां क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि परिवार किसी रिश्तेदार से परेशान चल रहा था। इसी मानसिक तनाव के चलते व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर नहर पर पहुंचा और यह खौफनाक कदम उठा लिया। दंपति से पुलिस कर रही पूछताछ

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दंपति को अपने साथ थाना ले गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा सके। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि परिवार किन परिस्थितियों से गुजर रहा था और क्या उन्हें किसी तरह की धमकी या दबाव का सामना करना पड़ रहा था।
घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते परिवार की परेशानी सामने आ जाती तो शायद तीन मासूम बच्चों की जान बचाई जा सकती थी। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गहराई से जांच की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।
अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।
उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!
उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।
समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।
कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।
मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।
कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।
मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।
व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाई? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''
यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।
व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।
विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

'तुम्बाड' यूनिवर्स में हुई आलिया भट्ट की एंट्री!

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है।

आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

दूसरे पार्ट में कैमियो तीसरे में लीड रोल

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी और

इस दिन रिलीज होगी 'तुम्बाड 2'

वहीं, आदेश प्रसाद के निर्देशन में बन रही 'तुम्बाड 2' पहले पार्ट की रहस्यमयी और डरावनी कहानी को आगे बढ़ाएगी। फिल्म में हस्तर की श्रापित दुनिया और उससे जुड़े खतरनाक रहस्यों को और गहराई से दिखाया जाएगा। हाल ही में सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट का ऐलान किया था। 'तुम्बाड 2' 3 दिसंबर 2027 को रिलीज होगी।

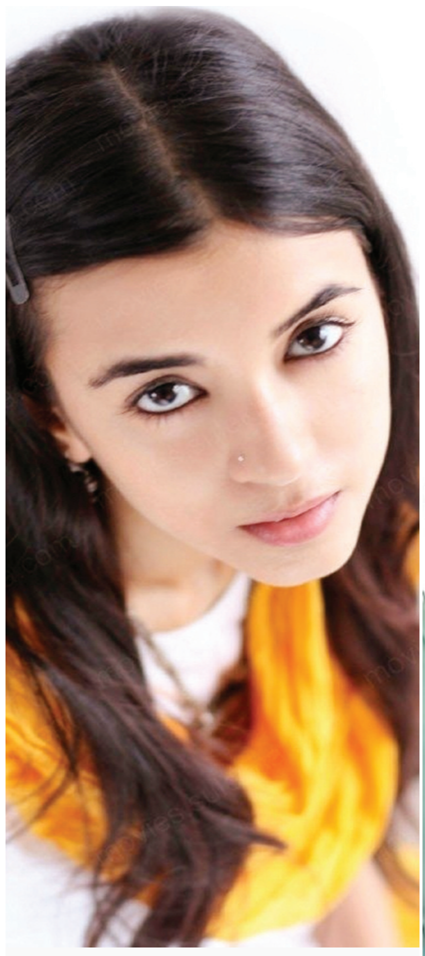

कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी सबा आजाद

अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'हूज योर गायनिक सीजन 2' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे 'डॉ. विदुषी कोठारी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी। आगामी सीजन को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि सीरीज का मुख्य उद्देश्य उन विषयों पर चर्चा करना है, जिन्हें अक्सर बंद कमरों की चर्चा माना जाता है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया, 'सीजन-1 ने सेक्स एजुकेशन और महिलाओं के स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद शुरू किया था। सीजन-2 भी उसी मूल विचार को कायम रखेगा। समाज इन चर्चाओं को जगह मिलना बहुत जरूरी है।'

जब अभिनेत्री से सवाल पूछा, 'आज के समय में भी समाज के लिए एक स्वतंत्र और महत्वकांक्षी महिला को स्वीकार करना कठिन है?'

इस पर अभिनेत्री का कहना है कि भले ही हम बड़े शहरों में रहते हों, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी पितृसत्तात्मक है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान पाने के लिए आज भी दोगुना मेहनत करनी पड़ती है। समाज आज भी महिलाओं के फैसलों पर बहुत जल्द अपनी राय बना लेते हैं। हमारा सामाजिक ढांचा पारंपरिक रूप से पुरुषों की सफलता को केंद्र में रखकर बनाया गया है।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारे देश के कई हिस्सों में महिलाओं को आज भी आजादी से काम करने या अपने फैसले खुद लेने की अनुमति नहीं है। हो सकता है कि शहरों में हमें यह सच्चाई हमेशा दिखाई न दे, लेकिन यह मौजूद है। इसलिए महिलाओं को पेशेवर और घर दोनों जगह लगातार खुद को साबित करना पड़ता है। अगर वे काम करती हैं, तो लोग उन पर उंगलियां उठाते हैं। अगर वे काम नहीं करतीं, तो उन्हें फिर से परखा जाता है।' सबा का मानना है कि कुछ लड़कों की परवरिश अक्सर इसी मानसिकता के साथ की जाती है कि वे महिलाओं से बेहतर हैं। ऐसे में जब उनका सामना एक सशक्त और स्वतंत्र विचार वाली लड़की से होता है, तो उनके अहंकार को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा, 'सच बात तो ये है कि ऐसे पुरुषों को महिलाओं को अपने से बराबर देखने की आदत नहीं होती, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा होता है।'

'लुटेरी दुल्हन' में खास किरदार निभाएंगी पूजा गौर

अभिनेत्री पूजा गौर जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में नजर आएंगी। इस सीरीज में उन्होंने सब-इंस्पेक्टर संध्या यादव का किरदार निभाया है, जो एक निडर और हिम्मती अधिकारी हैं। कहानी में वह मध्य प्रदेश में हो रहे कुछ अजीब और अनोखे अपराधों की जांच करती है। इस सीरीज में संध्या यादव के किरदार में पूजा गौर एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं।

पूजा गौर ने बताया कि उन्हें अपना यह किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि इसमें बहुत भावनाएं जुड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'संध्या बाहर से जितनी सख्त और निडर दिखती है, अंदर से वह समाज के तानों, लोगों की उम्मीदों और खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रही है।'

पूजा ने आगे कहा, 'वह सिर्फ एक केस नहीं सुलझा रही, बल्कि पुरुषों के वर्चस्व वाली इस दुनिया में महिलाओं को कमतर आंकने की सोच के खिलाफ अपनी पहचान की लड़ाई भी लड़ रही है।' पूजा ने आगे बताया कि सीरीज में उनके (संध्या) और 'माया' नाम के किरदार के बीच का तालमेल बहुत दिलचस्प है। दोनों कानून के अलग-अलग तरफ खड़ी हैं।

पूजा गौर ने शेयर किया ट्रेलर

पूजा गौर ने सोशल मीडिया पर इस सीरीज का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि हर गायब होने वाली दुल्हन के पीछे एक झूठ छिपा है और वह इस सच को सामने लाकर रहेंगी। 'लुटेरी दुल्हन' से पहले पूजा गौर को साकिब सलीम के साथ क्राइम ड्रामा सीरीज 'कप्तान' में देखा गया था। पूजा गौर को 'मन की आवाज प्रतिज्ञा' सीरियल से काफी प्रसिद्धि मिली है।

शाहिद कपूर की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं जान्हवी कपूर

शाहिद कपूर जल्द ही एक नई और मजेदार फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित शर्मा कर रहे हैं, जो 'बधाई हो' और 'मैदान' जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। जानिए इस फिल्म में शाहिद की जोड़ी किस अभिनेत्री के साथ बनेगी? शाहिद की आगामी फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो बॉडी स्वैपिंग पर आधारित होगी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म है। इसकी कहानी इटली की एक पुरानी फिल्म 'हस्बैंड एंड वाइफ' से मिलती-जुलती है। इसमें एक पति-पत्नी तलाक की कगार पर हैं। एक वैज्ञानिक का प्रयोग गलत हो जाता है और दोनों का शरीर आपस में बदल जाता है। अब पति पत्नी के शरीर में और पत्नी पति के शरीर में रहकर एक-दूसरे की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। इस दौरान वे हंसी-मजाक के साथ एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। फिल्म में कॉमेडी और परिवार का ड्रामा सब कुछ होगा।

कौन होगी शाहिद की अभिनेत्री?

शाहिद कपूर ने इस फिल्म को साइन कर लिया है। अभी मुख्य अभिनेत्री का रोल फाइनल नहीं हुआ है। बहरहाल, इस फिल्म के लिए कियारा आडवाणी और जान्हवी कपूर से बात चल रही है। अगर जान्हवी कपूर ने काम किया तो यह शाहिद के साथ उनकी यह पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 के बीच में रिलीज किया जा सकता है।

बिहार की मिट्टी में सम्मानित होना सबसे बड़ी खुशी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री संजना पांडे को हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित 'जी भोजपुरी 2026' समारोह में उनकी फिल्म 'कलेक्टर साहिबा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (समीक्षक) और 'बहुमुखी अभिनेत्री' के सम्मान से नवाजा गया। शनिवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए से अपनी इस बड़ी उपलब्धि को शेयर करते हुए प्रशंसकों और फिल्म की टीम का आभार व्यक्त किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पुरस्कार समारोह की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे अपनी ट्रॉफी के साथ गौरवान्वित महसूस करती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट किया कि उनके लिए केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि एक बेहद भावनात्मक पल है।

अभिनेत्री ने लिखा, 'जिस बिहार की मिट्टी में आप पले-बढ़े हो और उसी से आपकी पहचान जुड़ी है, उसी धरती पर सम्मानित होना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए अपनी सफलता का श्रेय टीम दिया। उन्होंने फिल्म निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी और सह-अभिनेता गौरव झा का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने लेखक अरविंद तिवारी और फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों और तकनीशियनों के प्रति भी आभार प्रकट किया। संजना ने कहा कि टीम वर्क और सबके समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था।

संजना ने अपने संदेश के अंत में अपने परिवार, दर्शकों और ईश्वर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक लिखा, 'जब आप काम पूरी मेहनत शिद्दत और ईमानदारी से करते हो तो देखने वाले देख ही लेते हैं। जय भोजपुरी। जय भोजपुरी समाज।'

इश्तियाक शैख बंटी द्वारा निर्देशित फिल्म में संजना पांडेय और गौरव झा के अलावा विनोद मिश्रा, अमित शुक्ला प्रकाश जैस, साहिल सिद्दीकी, सुबोध सेठ, रिंकू भर्ती, स्वीटी सिंह संतोष श्रीवास्तव, कंचन मिश्रा, निशा तिवारी और प्रेरणा सुषमा जैसे कलाकार हैं। संजना की इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म को टेलीविजन और यूट्यूब दोनों में प्रसारित किया था। यूट्यूब पर रिलीज के 13 घंटों के अंदर ही फिल्म को 18 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

चॉकलेटी इमेज से बाहर निकलना आसान नहीं था

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट हाल ही में एक्शन-स्पोर्ट ड्रामा सीरीज 'ग्लोरी' में नजर आए हैं। इस सीरीज में पुलकित बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए हैं। उन्होंने बॉक्सर की भूमिका निभाई है, जिसके लिए पुलकित ने खुद को फिजिकल और मेंटल तौर पर काफी तैयार किया है। अमर उजाला से बातचीत में पुलकित ने 'ग्लोरी' में अपने किरदार, तैयारी और अनुभव को लेकर विस्तार से बात की।

पुलकित ने बताया कि यह बदलाव उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस किरदार के लिए सबसे जरूरी चीज ईमानदारी थी और मैंने पूरी सच्चाई के साथ इस पर काम किया। जो कहानी कागज पर लिखी होती है, उसमें अपनी एक जान होती है और उसी को महसूस करके निभाना पड़ता है। शरीर को बदलना भी आसान नहीं था। पहले भी फिट रहा हूं, लेकिन एक खिलाड़ी जैसा दिखने के लिए आपको सच में उसी तरह की जिंदगी जीनी पड़ती है। सिर्फ बॉक्सर जैसा दिखना काफी नहीं है, आपको बॉक्सर बनना पड़ता है।'

कड़ी ट्रेनिंग और टीम का साथ

इस किरदार की तैयारी को लेकर पुलकित ने विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हैंड ग्लव्स पहनने के बाद तो मैं सच में उसी दुनिया में जी रहा था। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि जितनी मेहनत मैंने की, उसे सही तरह से दिखाने के लिए हमारे पास एक बहुत अच्छी टीम और शानदार निर्देशक थे। इसलिए नतीजा भी अच्छा आया है। दिन में दो से तीन बार ट्रेनिंग होती थी, जिसमें एक्सरसाइज, फिजियोथेरेपी और बॉक्सिंग की प्रैक्टिस शामिल थी। खास तौर पर स्पीड और रिएक्शन पर काम किया, क्योंकि बॉक्सर्स की यही ताकत होती है। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर था कि कोई चोट न लगे, ताकि शूट न रुके। मेरी पूरी टीम ने पूरा साथ दिया। सेट पर भी बॉक्सिंग कोऑर्डिनेटर मानस हर समय मेरी फॉर्म पर नजर रखते थे।

पुलकित ने बॉक्सिंग के मानसिक पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब हम बॉक्सिंग की बात करते हैं, तो दिमाग में गुस्सा, पंच और एक-दूसरे को हराने की तस्वीर आती है। लेकिन रिंग में उतरकर समझ आता है कि यह बिल्कुल आसान नहीं है। रिंग के अंदर यह पूरी तरह दिमाग का खेल होता है। यह शतरंज की तरह है, जहां आपको सामने वाले खिलाड़ी की बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका समझना होता है, उसकी कमजोरियां पकड़नी होती हैं। उसे गलती करने पर मजबूर करना होता है। साथ ही सामने वाला भी आपके साथ यही कर रहा होता है। अगर आप पूरा बॉक्सिंग मैच देखें, तो समझ आएगा कि दोनों खिलाड़ी लगातार एक-दूसरे को पढ़ने की कोशिश करते रहते हैं। यह धैर्य और फोकस का खेल है।' अभिनेता ने आगे कहा कि बॉक्सिंग ने मुझे फोकस करना सिखाया है। पहले मैं ध्यान के लिए आंखें बंद करके बैठता था, लेकिन अब मैं सीधे स्पीड बैग के पास जाता हूं और पंद्रह मिनट उसी पर लगा रहता हूं। उस समय मेरा ध्यान कहीं और नहीं जाता। इस अनुभव ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और कई बातें ऐसी हैं, जिन्हें मैं अपनी असल जिंदगी में भी अपनाता हूं।

ग्लोरी मेरे करियर का गेम चेंजर

'ग्लोरी' को अपने करियर का गेम चेंजर बताते हुए पुलकित ने कहा कि ग्लोरी मेरे लिए लाइफ चेंजिंग भी है, गेम चेंजिंग भी और करियर के हिसाब से बहुत फुलफिलिंग है। मुझे पूरा भरोसा है कि हमने जो किया है, वह सही किया है। मैं हमेशा उम्मीद के साथ काम करता हूं, लेकिन इस बार मैं काफी संतुष्ट और बहुत खुश हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।